राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 30 जनवरी 2024 वर्ष–7,अंक–7 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में कांग्रेस को बड़ा झटका, राहुल गांधी की यात्रा के निकलते ही 150 नेता बीजेपी में शामिल

पीयूष हजारिका ने कांग्रेस पर तंज कसा और 150 से ज्यादा नेताओं के भाजपा में शामिल होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि असम कांग्रेस और AASU के 150 से ज्यादा नेताओं ने आज भाजपा ज्वाइन कर ली है।

गुवाहाटी। वायनाड सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकलते ही कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। खबर है कि असम में,स यानी ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और कांग्रेस के 150 से ज्यादा नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। फिलहाल, कांग्रेस की यात्रा तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल में है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही लोकसभा चुनाव 2024 अकेले लड़ने का ऐलान कर चुकी हैं।

मंत्री पीयूष हजारिका ने कांग्रेस पर तंज कसा और 150 से ज्यादा नेताओं के भाजपा में शामिल होने की जानकारी दी है। रविवार को उन्होंने लिखा, 'मुझे यह मानना पड़ेगा कि राहुल गांधी की भारत बस न्याय यात्रा ने असम में काफी प्रभाव डाला है। असम कांग्रेस और,स के 150 से ज्यादा नेताओं ने आज भाजपा ज्वाइन कर ली है। अंकिता दत्ता, बिस्मिता गोगोई और दीपांक कुमार नाथ ने अच्छा फैसला लिया।'

खास बात है कि दत्ता यूथ कांग्रेस असम की पूर्व अध्यक्ष थीं। बीते साल अप्रैल में उन्होंने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसके बाद अप्रैल 2023 में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के चलते उन्हें 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था। खबर है कि दत्ता के परिवार की चार पीढ़ियां कांग्रेस की सदस्य रही हैं।

मंत्री पीयूष हजारिका ने कांग्रेस पर तंज कसा और 150 से ज्यादा नेताओं के भाजपा में शामिल होने की जानकारी दी है। रविवार को उन्होंने लिखा, 'मुझे यह मानना पड़ेगा कि राहुल गांधी की भारत बस न्याय यात्रा ने असम में काफी प्रभाव डाला है। असम कांग्रेस और,स के 150 से ज्यादा नेताओं ने आज भाजपा ज्वाइन कर ली है। अंकिता दत्ता, बिस्मिता गोगोई और दीपांक कुमार नाथ ने अच्छा फैसला लिया।' खास बात है कि दत्ता यूथ कांग्रेस असम की पूर्व अध्यक्ष थीं। बीते साल अप्रैल में उन्होंने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

इसे लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी कांग्रेस की यात्रा पर तंज कस दिया है। उन्होंने लिखा, 'अपनी राजनीतिक जीवन में पहली बार ऐसी 'न्याय यात्रा' देख रहा हूं, जो जिन जगहों से जा रही है पार्टी वहां हार रही है और पार्टी के कार्यकर्ता भी उनकी विचारधारा त्याग कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहे हैं।

न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बिस्मिता ने आरोप लगाए हैं कि कांग्रेस में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस इतना नीचे गिर चुकी है कि वे मेरे ब्लाउज के बारे में बात करते हैं। वे कहते हैं कि मेरे ब्लाउज पर कमल है और इसलिए मैं भाजपा में शामिल हो रही हूं। मुझे दुख है कि वे महिलाओं का सम्मान नहीं करते। मुझे दुख है कि वे महिलाओं का सम्मान नहीं करते। मैं नाम नहीं ले सकती, लेकिन मुझे कहा गया है कि कांग्रेस के एक ऐसे नेता ने यह कहा है, जिसे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।'

राम मंदिर, नीतीश कुमार की एंट्री के बाद अब आ रहा CAA, इस दिन से होगा लागू; मोदी के मंत्री ने बताया

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगले एक हफ्ते में सीएए पूरे देश में लागू हो जाएगा और मैं इस बात की गारंटी देता हूं। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा, राम मंदिर का अनावरण पहले ही हो चुका है। अब अगले एक हफ्ते में CAA भारत भर में लागू कर दिया जाएगा। आज मैं इस गारंटी के साथ मंच से उतर रहा हूं। मालूम हो कि शांतनु ठाकुर बंगाल के बनगांव से भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं और बंदरगाह, जहाजरानी व जलमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्री ने सीएए को लेकर जो कहा है, अगर वैसा हुआ तो अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और बिहार में नीतीश कुमार के साथ मिलकर सरकार बनाने के बाद 2024 में बीजेपी का यह एक और बड़ा कदम होगा। शांतनु ठाकुर ने कहा, इस राज्य की मुख्यमंत्री कहती हैं कि अगर आपके पास वोटर कार्ड है, अगर आपके पास आधार कार्ड है तो आप नागरिक हैं। आप मतदान कर सकते हैं मगर मैंने यह सुना है कि हजारों लोग इससे अभी तक वंचित हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यह क्यों कह रही हैं कि जो लोग आ चुके हैं, वे नागरिक हैं। अगर कोई नागरिक पासपोर्ट सत्यापन के लिए डीआईबी से संपर्क करता है, तो विभाग उससे 1971 से पहले का दस्तावेज क्यों मांग रहा है? इस सवाल का जवाब पुलिस प्रशासन को देना होगा। हमें पासपोर्ट का सत्यापन वोटर कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड देखकर करना चाहिए। मगर, राज्य सरकार राजनीति करने में लगी हुई है।

पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि ट्ट को लागू होने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि यह देश का कानून है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर लोगों को इस मुद्दे पर गुमराह करने का आरोप भी लगाया था। मालूम हो कि सीएए कानून का मकसद पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान सहित पड़ोसी तीन देशों के छह समुदायों को फास्ट ट्रैक नागरिकता देना है। इस कानून को मंजूरी मिल चुकी है मगर इसे लागू करने के नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।

कर्नाटक में 108 फीट ऊंचा हनुमान ध्वज हटाने पर विवाद

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया; सीएम बोले- मंदिर में ध्वज लगाएं, हम सपोर्ट करेंगे

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या के केरागोडु गांव में रविवार (28 जनवरी) को पुलिस अधिकारियों ने 108 फीट ऊंचे हनुमान ध्वज को हटा दिया। इसके बाद यहां विवाद हो गया। दरअसल, पिछले हफ्ते ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत से परमिशन लेकर यह हनुमान ध्वज फहराया था। बाद में इसके खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई और प्रशासन ने पुलिस को ध्वज निकालने का आदेश दिया। प्रशासन के इस आदेश से नाराज ग्रामीणों ने पहले तो शनिवार (27 जनवरी) को अपनी दुकानें बंद रखीं, लेकिन जब रविवार को पुलिस ध्वज निकालने पहुंची तो मामला गर्मा गया। लोग पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन में भाजपा और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी शामिल हो गए। इस दौरान गुस्साए लोगों ने स्थानीय कांग्रेस विधायक रवि कुमार के बैनर तोड़ दिए और उनके खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद प्रशासन ने गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया। इसके बाद पुलिस ने पोल से हनुमान ध्वज हटाकर वहां तिरंगा लगा दिया। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जहां तिरंगा फहराया जाता हो, वहां भगवा झंडा फहराना नियमों के खिलाफ है। परमिशन राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए ली गई थी, लेकिन वहां दूसरा झंडा फहराया गया। हम मंदिर के पास हनुमान ध्वज स्थापित करने के लिए तैयार हैं। हम भी राम भक्त हैं। सीएम सिध्दारमैया ने इस मामले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा की कि राष्ट्रीय ध्वज के बजाय भगवा ध्वज फहराया गया। उन्होंने कहा कि इसके पीछे राजनीति हो सकती है। मुझे नहीं पता कि इसके पीछे कौन है? यह देश लोकतंत्र और संविधान के तहत काम करता है। उन्होंने ये भी कहा अगर एक स्थान पर इसकी अनुमति दी जाती है, तो यह अन्य स्थानों पर भी लागू होगा। कल वे ये भी कह सकते है कि कलेक्टर कार्यालय के सामने भगवा झंडा लगाया जाए, क्या इसकी परमिशन दी जा सकती है? सीएम ने कहा कि हम यहां अपने युवाओं को चोट पहुंचाने के लिए नहीं आए हैं। मैंने अधिकारियों, पुलिस और युवाओं से बात की है। हम एक निजी स्थान पर या एक मंदिर के पास हनुमान ध्वज स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

मराठाओं को आरक्षण देने पर क्यों सत्ताधारी गठबंधन में ही मच गई रार, फिर आंदोलन का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय को दिए गए आरक्षण को लेकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में मतभेद नजर आने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मराठा समुदाय को दिए जाने वाले आरक्षण पर नाराजगी जताई है। उन्होंने राज्य सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने बताया कि वह सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना रुख स्पष्ट करेंगे। राणे ने इस पोस्ट में कहा, मैं मराठा समुदाय के आरक्षण के संबंध में राज्य सरकार के फैसले और दिए गए आश्वासन से सहमत नहीं हूं। इससे राज्य में असंतोष फैल सकता है क्योंकि यह ऐतिहासिक परंपराओं वाले मराठा समुदाय और अन्य पिछड़े समुदायों पर अतक्रिमण होगा। सोमवार को मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा और इस बारे में विस्तार से बात करूंगा।%

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और अन्य पिछड़ा वर्ग नेता छगन भुजबल भी मराठा आरक्षण पर राज्य सरकार के फैसले से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ 1 फरवरी को विधायकों, सांसदों और तहसीलदारों के आवासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। भुजबल ने अपने आधिकारिक आवास पर एक बैठक की, जिसमें ओबीसी विधायकों, नेताओं और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। भुजबल ने कहा कि इस बैठक में 26 जनवरी को मुख्यमंत्री की ओर से प्रस्तावित

मसौदे को रद्द करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री के मसौदे में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगों को स्वीकार कर लिया गया था।

मराठा को आरक्षण देने का यह अवैध तरीका- छगन भुजबल-छगन भुजबल ने कहा, हम राज्य सरकार के मौजूदा फैसले के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए विधायकों, सांसदों और तहसीलदारों के आवासों के बाहर इकट्ठा होंगे। इस फैसले के जरिए मराठा समुदाय को आरक्षण लाभ देने के लिए अवैध तरीका अपनाया जा रहा है। हम इस तरह के फैसलों के खिलाफ ओबीसी को एकजुट करने के लिए मराठवाड़ा से एल्गार रैली भी निकालेंगे।% उन्होंने कहा कि राज्य में ओबीसी को मूर्ख बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। जब कानून में रिश्तेदारों की स्पष्ट परिभाषा बताई गई है तो अवैध रूप से इसमें बदलाव क्यों किए गए? ओबीसी में मराठों को शामिल करने से मौजूदा पिछड़ा वर्ग बाहर हो जाएगा और वे आरक्षण लाभ से वंचित हो जाएंगे।

लाभ मिलने तक जारी रहेगा प्रदर्शन- मनोज जरांगे-वहीं, मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि जब तक समुदाय के सदस्यों को महाराष्ट्र सरकार की प्रस्तावित अधिसूचना के तहत लाभ मिलना शुरू नहीं हो जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह घोषणा नवी मुंबई में अपने प्रदर्शन को स्थगित करने के एक दिन बाद की है।

नीतीश कुमार के पालाबदल के बाद अब इन दलों से भी डरी कांग्रेस, साथ छोड़ने की सता रही चिंता

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डेढ़ साल के अंतराल में फिर से पाला बदल लिया है। विपक्ष के INDIA अलायंस के गठन में अहम भूमिका निभाने के बाद भी जिस तरह नीतीश कुमार ने रातोंरात पाला बदला है, उससे कांग्रेस जैसे दलों की नींद उड़ गई है। कांग्रेस, आरजेडी समेत INDIA अलायंस के बड़े दलों को लगता था कि बिहार, महाराष्ट्र और बंगाल जैसे राज्यों में विपक्ष मजबूत रहेगा। लेकिन 2024 की लड़ाई शुरू होने से पहले ही इन राज्यों से बुरे संकेत मिलने लगे हैं। हिंदी पट्टी में भाजपा पहले से ही बेहद मजबूत है। इसमें एकमात्र राज्य बिहार था, जहां से एक चुनौती मिल सकती थी। अब नीतीश कुमार के पालाबदल से भाजपा सीधे तौर पर फायदे की स्थिति में है। यही नहीं अब महाराष्ट्र को लेकर भी संकट की स्थिति है। यहां उद्धव गुट की शिवसेना और कांग्रेस में सीटों को लेकर मतभेद है। यहां तक कि दक्षिण मुंबई सीट पर दावेदारी ऐसी है कि अंत में मिलिंद देवड़ा जैसे नेता ने कांग्रेस को ही छोड़ दिया और शिंदे गुट में चले गए। अब कांग्रेस के आगे चैलेंज यह है कि कैसे वह उद्धव गुट को इलेक्शन के बाद भी साधे रहे। इसके अलावा बहुजन विकास अघाड़ी भी कठिन बारगेनिंग कर रही है, जो प्रकाश आंबेडकर की पार्टी है। दरअसल कांग्रेस के रणनीतिकारों में यह चर्चा भी है कि उद्धव ठाकरे का खेमा कभी भी भाजपा के संग जा सकता है। ऐसी स्थिति कांग्रेस को असहज करने वाली होगी। यही नहीं कांग्रेस के लिए बंगाल में भी स्थिति बेहद कठिन हो गई है। यहां टीएमसी ने कांग्रेस से अलग ही चुनाव लड़ने की बात कही है। इसके अलावा वामदलों से भी अब तक सहमति नहीं बन पाई है। पंजाब में आम आदमी पार्टी अलग ही लड़ेगी और यूपी में भी अखिलेश यादव बेहद सख्त लाइन ले चुके हैं। ऐसे में कोई हैरानी की बात नहीं होगी यदि अगले कुछ समय में जेडीयू के अलावा कुछ और दल INDIA अलायंस ही छोड़कर चले जाएं। प्रकाश आंबेडकर को तो रामदास आठवले खुला ऑफर भी दे चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि यदि आंबेडकर INDIA अलायंस में आते हैं तो उन्हें अकोला सीट दी जा सकती है। यही नहीं उनके स्वागत में तो मैं अपना मंत्री पद भी दे सकता हूं। हालांकि प्रकाश आंबेडकर भाजपा के तीखे आलोचक रह चुके हैं। फिर भी महाराष्ट्र में कांग्रेस के लिए स्थिति मुश्किल है। इसकी एक वजह यह भी है कि एनसीपी बंटी हुई है। शरद पवार गुट सीटें तो ज्यादा चाहता है, लेकिन उसके पास ताकत कम है।

ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे में त्रिशूल के प्रतीक और स्वास्तिक के कई निशान मिले

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सवेक्षण के वैज्ञानिक सर्वे में मौजूदा ज्ञानवापी मस्जिद की पश्चिमी दीवार के उत्तरी भाग और उत्तर-पश्चिमी भाग में चार से 15 सेमी तक के विभिन्न आकार के त्रिशूल के प्रतीक मिले हैं। दीवार की सतह पर भी त्रिशूल के प्रतीक हैं। कुछ चिह्नों का झुकाव उत्तर से दक्षिण और कुछ का दक्षिण से उत्तर की ओर है। कुछ ऊपर या नीचे की ओर इशारा कर रहे हैं। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी कक्ष की बाहरी दीवार में विभिन्न प्रतीक हैं। पश्चिम की दीवार पर विभिन्न दिशाओं और आकृतियों में कई आकार के त्रिशूल हैं। दोहरी गांठ और स्वस्तिक के निशान भी हैं। दोहरी गांठें अधिक संख्या में हैं। पश्चिमी कक्ष के उत्तर की ओर केवल स्वास्तिक चिह्न हैं। पश्चिमी दीवार के दक्षिण-पश्चिम भाग की बाहरी दीवार पर विभिन्न आकारों के स्वास्तिक और दोहरी गांठ के प्रतीक बने हैं। पश्चिम के

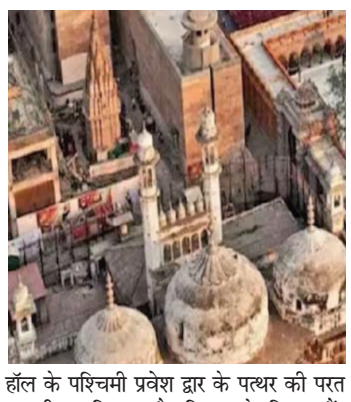

हॉल के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पत्थर की परत पर भी स्वास्तिक और त्रिशूल के निशान हैं। सेंट्रल हॉल के अंदरूनी हिस्से पर भी यही निशान हैं लेकिन सतह पर सिंथेटिक पेंट की मोटी परत के कारण इन्हें पहचानना मुश्किल है। निशान गलियारे और तहखानों में भी हैं। रिपोर्ट में स्वास्तिक को लेकर बताया गया कि यह दुनिया के सबसे प्राचीन प्रतीकों में एक है। एएसआई रिपोर्ट में कहा गया है कि प्राचीन मंदिर की दीवार से मौजूदा संरचना के किनारे के पत्थरों को लोहे के क्लैंप के जरिये बांधा गया है। सर्वे रिपोर्ट में बताया है कि मौजूदा ढांचे में हर तरफ के तीन क्लैंप को भी जांचा गया। कुछ क्लैंप में जंग लगी है। पश्चिमी दीवार और मौजूदा संरचना के किनारे के पत्थरों को डबल क्लैंप के साथ पिन किया गया है। दक्षिण की ओर के पत्थरों को सिंगल क्लैंप के साथ पिन किया गया है। पश्चिमी दीवार और मौजूदा गुंबद के चूने का भी परीक्षण किया गया है। पश्चिमी दीवार की तुलना में गुंबद के चूने में कैल्शियम अधिक है। दक्षिणी तहखाने में कैल्शियम और सल्फर की मात्रा वाले गारे की अधिकता मिली है।

इस्तेमाल की गई ईंटों का अध्ययन

मस्जिद के दोनों गुबदों, दक्षिणी और उत्तरी तहखाना, बाहरी खंडहर से प्राप्त सामग्रियों में मिली ईंटों पर रिपोर्ट दी है।

वैज्ञानिक जांच को सुप्रीम कोर्ट में आज अर्जी

ज्ञानवापी परिसर स्थित वुजूखाने के भी वैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए हिन्दू पक्ष सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थनापत्र देगा। वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक वाली याचिका के तहत प्रार्थना पत्र देंगे। बताया कि अदालत से एएसआई सर्वेक्षण की मांग की जाएगी। अधिवक्ता ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वेक्षण के दौरान 14 अक्तूबर 2022 को जिला जज की अदालत ने वुजूखाने के सर्वेक्षण से इनकार कर दिया था। जिला जज के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

भारतीय सेना में बदले फिटनेस के नियम, अब मोटापे के शिकार सैनिकों की कट सकती हैं छुट्टियां

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने मोटापे या खराब जीवनशैली अपना रहे सैनिकों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की है। खबर है कि सेना में अब नई नीति लागू की गई है, जिसके तहत कई नई जांचों को शामिल किया गया है। खास बात है कि नए मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले सैनिकों पहले सुधार के लिए 30 दिनों का भी समय दिया जाएगा और ऐसा नहीं होने पर छुट्टियों में कटौती जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। नए नियमों के तहत हर कर्मी को APAC यानी आर्मी फिजिकल फिटनेस असेसमेंट कार्ड भी तैयार रखना होगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सभी कमानों में पत्र भेज दिया गया है। इनमें कहा गया है कि नई नीति का मकसद जांच की प्रक्रिया में समानता लाना, शारीरिक रूप से अयोग्या या मोटापे का शिकार और जीवनशैली के चलते हो रही बीमारियों से निपटना है।

अभी क्या हैं नियम

फिलहाल, हर तीन महीने में BPET यानी बैटल फिजिकल एफिशीएंसी टेस्ट और फिजिकल प्रोफीशिएंसी टेस्ट होता है। BPET के तहत एक शख्स को 5 किमी की दौड़, 60 मीटर की स्प्रिंट, रस्सी के बल ऊपर चढ़ना और तय समय में 9 फीट के गड्ढे को पार करना है। यहां समय उम्र के आधार पर तय किया जाता है।

PPT में 2.4 किमी की दौड़, 5 मीटर शटल,

पुश अप्स, चिन अप्स, सिट अप्स और 100 मीटर की स्प्रिंट होती है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर तैराकी जांच भी होती है। इन जांचों के नतीजों को ACR या एनुअल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट में शामिल किया जाता है, जिसके जिम्मेदार कमांडिंग ऑफिसर यानी CO होते हैं।

अब नए नियमों में क्या?

रिपोर्ट के अनुसार, नए नियमों के तहत ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी दो कर्नल और एक मेडिकल अधिकारी के साथ मिलकर हर तीन महीनों में आंकलन करेंगे। सैनिकों को BPET और PPT के अलावा कुछ और टेस्ट भी देने होंगे। इनमें 10 किमी का स्पीड मार्च और हर 6 महीनों में 32 किमी का रूट मार्च शामिल है। साथ ही 50 मीटर का तैराकी का टेस्ट भी देना होगा।

सभी सैनिकों को आर्मी फिजिकल असेसमेंट कार्ड तैयार रखना होगा और टेस्ट के नतीजों को 24 घंटों के अंदर दाखिल भी करना होगा।

फेल हुए तो क्या कार्रवाई?

रिपोर्ट के मुताबिक, जो सैनिक इन मानकों पर खरे नहीं उतरते या ओवरवेट यानी तय से अधिक वजन के पाए जाते हैं, उन्हें स्थिति सुधारने के लिए 30 दिनों का समय मिलेगा। अगर इस अवधि में कोई सुधार नहीं होता है तो छुट्टियों और टीडी कोर्सेज में कटौती की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चांद पर साथ

पिछले सप्ताह जब मूनलैंडर 'स्लिम' चांद पर उतरा, तो जापान इस उपग्रह पर पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया। स्लिम चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है, जहां कुछ महीने पहले भारत का चंद्रयान-3 उतरा था। यानी चांद के इस क्षेत्र में अपने यान को उतारने वाला वह दूसरा देश बन गया है। कार के आकार जितने 200 किलोग्राम के स्लिम को जब चांद की सियोली खाई के पास उतारा गया, तो वैज्ञानिक समुदाय में चर्चा इस बात की हुई कि जापान ने आश्चर्यजनक रूप से जिस जगह यान को उतारना तय किया था, तकरीबन उसी जगह पर उतारा। तय जगह और उतरने वाली जगह का जो फर्क था, वह सौ मीटर भी नहीं था। इसके पहले तक यह फर्क आमतौर पर एक किलोमीटर से भी ज्यादा हो जाता था। सवाल यह उठा कि स्लिम की इतनी सटीक लैंडिंग कैसे संभव हो सकी? इसका जवाब अब मिला है। दरअसल स्लिम ने इसके लिए चंद्रयान-2 के आर्बिटर की मदद ली और उसकी तस्वीरों के सहारे वह सटीक जगह पर उतरने में कामयाब रहा। यहां इस बात का जिक्र जरूरी है कि चंद्रयान-2 का भारत का पूरा अभियान ठीक से चला था, लेकिन इसका लैंडर एकदम अंतिम समय में चंद्रमा की सतह पर ठीक से उतरने में नाकाम रहा था। हालांकि इसका आर्बिटर अभी भी चांद के चक्कर लगाता हुआ सक्रिय है और लगातार डाटा भेज रहा है। इन्हीं डाटा में वे तस्वीरें भी हैं, जिनकी मदद जापान के स्लिम ने ली। हालांकि, इस खबर का महत्व इसके तकनीकी ब्योरे में नहीं है। इसके पहले यह कब हुआ था कि किसी काम के लिए जापान को भारत की तकनीकी मदद लेने की जरूरत पड़ी हो? भारत के लोग लंबे समय से जापान की तकनीकी उलब्धियों के कायल रहे हैंऔर हमारे देश में न जाने कितने उद्योग और परियोजनाएं ऐसी हैं, जो जापान या वहां की कंपनियों के तकनीकी सहयोग से ही चल रही हैं। वैसे, स्लिम के मामले में जो हुआ, वह यह बताता है कि तकनीक की दुनिया में भारत की स्थिति कैसे बदल रही है। यह सच है कि बाकी क्षेत्रों के मुकाबले अंतरिक्ष क्षेत्र में जापान बहुत देरी से उतरा है। इस क्षेत्र में भारत का अनुभव काफी बड़ा है, लेकिन ऐसा कम ही होता रहा है कि खुद अपनी तकनीक विकसित करते समय जापान किसी अन्य देश की इस तरह से मदद लेता हो। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत और जापान का यह सहयोग कुछ और रास्ते भी खोल सकता है। इस समय दुनिया के तकरीबन सभी विकसित देश किसी न किसी रूप में चंद्र अभियान चलाने की सोच रहे हैं। अनुमान यह है कि अगले दस साल में सौ से भी ज्यादा ऐसे अभियान शुरू हो सकते हैं। निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में उतर पड़ी हैं और स्पेस फाउंडेशन का आकलन कहता है कि चंद्र अभियान का यह पूरा कारोबार 546 अरब डॉलर का हो चुका है। ऐसे में, भारत और जापान जैसे दो देशों का सहयोग इस बाजार के समीकरण बदल सकता है। लगभग तीन साल पहले चीन और रूस ने भी ऐसे ही सहयोग का समझौता किया था। उन्होंने संयुक्त अभियान का भी फैसला किया था, लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। भारत और जापान इस बात को अब आगे ले जा सकते हैं। दोनों साथ आते हैं, तो यह एक बराबरी का सहयोग होगा। यह ध्यान देने की बात है कि ऐसे अभियान बहुत महंगे होते हैं, अतः सक्षम देश अगर मिलकर सौ प्रतिशत सफलता के लिए प्रयास करें, तो ज्यादा बेहतर है।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

हमारे दायित्वों के निर्वहन से समृद्ध होगा देश

नरेश कौशल

अनंत संभावना वाले देश भारत ने 75वां गणतंत्र दिवस उल्लास और उमंग से मनाया। निःसंदेह हमने पिछले दशकों में तरक्की के तमाम आयाम स्थापित किये हैं। भले ही हम गणतंत्र के कई लक्ष्य हासिल न कर पाये हों, लेकिन फिर भी हमारी तमाम उपलब्धियां गर्व करने लायक हैं। पाताल से आकाश तक उपलब्धियां गगनभेदी हैं। हमने चांद पर एक दुर्लभ अभियान को सफल बनाकर दुनिया को चौंकाया है। आदित्य मिशन सूरज से बात कर रहा है। अंतरिक्ष में हमारा उपग्रह आकाशगंगा के रहस्यों की गुत्थी सुलझाने में लगा है। बहुत कुछ मिला है तो बहुत कुछ बाकी है। लेकिन किसी गणतंत्र में गण पर तंत्र का हावी होना हमारी चिंता होनी चाहिए। यह एक टकसाली सच है कि विगत में इस गणतंत्र को दुनिया का खूबसूरत जनतंत्र बनाने में हम चूके हैं। लेकिन हमारे लिये भी यह मंथन का समय है कि देश का गण कितना जागरूक रहा अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिये। हमने मौलिक अधिकार तो चाहे, लेकिन मौलिक कर्तव्यों की जिम्मेदारी कितने लोगों ने निभायी? विश्वास तो हमारे नीति-नियंताओं ने भी खोया है। जनता उनकी बातों पर विश्वास करने से बचती आई है। तभी तो नेता वायदों का भरोसा खोने के बाद मुफ्त की रेवड़ियों और गारंटियों की बात करने लगे हैं। उन्हें लगने लगा है कि 'वायदा' शब्द अपने अर्थ खो चुका है। लेकिन सवाल गण के लिये भी है कि मुफ्त की गारंटियों का फैशन क्यों जोर-शोर से चल रहा है। कभी दक्षिण भारत से महिला वोटरों को लुभाने के लिये साड़ी-मिक्सी देने, सस्ता गेहूं चावल देने की खबरें आती हैं। अब तो यह सारे देश का फैशन हो चला है। फ्री पानी और फ्री बिजली मतदाताओं के वोट देने न देने के निर्णय को तय करते हैं तो यह स्वस्थ गणतंत्र का लक्षण तो कतई नहीं है। हम देखें कि जिन राज्यों की सरकारों ने विकास के दूरगामी लक्ष्यों से हटकर तात्कालिक लाभ देने की नीतियां बनायी वे आज बीमारू राज्यों की लाइन में शामिल हैं। हम नहीं सोचते कि कुदरत के अलावा हमें जो कोई कुछ मुफ्त देता है, उसकी हमें बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लालच देकर कमजोर नेता हम पर शासन करने लायक बन जाते हैं। वैसे भी फ्री का माल तो देश के ईमानदार करदाताओं के आयकर से जाता है, जिनकी तनख्वाह आयकर विभाग के सामने हरदम एक खुली किताब है। कारोबारी लोग तो आयकर से बचने के सौ रास्ते निकाल लेते हैं। सीए संस्कृति उन्हें आयकर से बचने के हजार तरीके सिखाती है। अगर देश में सब लोग ईमानदारी से अपनी आय पर कर देने लगें तो देश की गरीबी निश्चय ही दूर हो जाए। लेकिन सड़कों पर नयी कारों के सैलाब हैं, प्रापर्टी खरीद में बूम हैं और शेयर बाजार कुलांचे भर रहा है, लेकिन आयकर दाता उस अनुपात में नहीं बढ़ रहे हैं? पिछले दिनों करोड़ों लोगों के गरीबी की रेखा से बाहर होने के दावे आये। सवाल यह है कि जब करोड़ों लोगों को गरीबी के दलदल से बाहर निकाला गया है तो आज देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज क्यों देना पड़ रह है। कोरोना काल में तो मुफ्त अनाज बांटना समझ में आता है। तब महामारी ने करोडों लोगों का रोजगार छीन लिया था। लोग दाने-दाने को मोहताज थे। करोड़ों लोग अपनी जमीन से उखड़े थे। सरकारें आत्मनिर्भर बनाने की योजनाएं लायें ताकि लोग रोजगार पा सकें, अपने काम-धंधे शुरू कर सकें और आर्थिक विकास में भी योगदान दे सकें। बेरोजगारी हमारे समय का बड़ा संकट है। युवा विदेश जाने की होड़ में लगे हैं। अब तो सरकारें युवाओं को विदेश भेजने के लिये खुद प्रोत्साहित करने लगी हैं। पंजाब में यह संकट बड़ा है। पर्याप्त योग्यता न होते हुए भी विदेश जाने की धुन सवार है। हमारे बच्चे दलालों की दलदल में फंसकर अपना पैसा भी गंवा रहे हैं। कौशल विकास में दक्ष लोगों का विदेश जाना समझ में आता है, लेकिन आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान के बिना विदेश में कहां से अच्छे रोजगार मिलेंगे। सारी दुनिया जानती है कि इस्राइल व हमास युद्ध के कारण वहां हर आदमी जान हथेली पर लेकर चल रहा है। रोज सैकड़ों लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखिए कि ऐसे हालात में भयानक जोखिम उठाते हुए हमारे बच्चे इस्राइल आदि देशों में नौकरी करने के लिये जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि जीवन पर बड़ा संकट आ सकता है। इस्राइल में हमास, हिजबुल्ला व ईरान समर्थक हूती विद्रोही हर समय हमले कर रहे हैं। दुख होता है जब चतुर्थ श्रेणी के पद के लिये पीएचडी, एम.ए. और अन्य उच्च शिक्षित युवक आवेदन करते हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में पचास हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती के लिये पचास लाख बेरोजगारों ने आवेदन किया। इस स्थिति से देश में बेरोजगारी के हालात का अंदाज लगाया जा सकता है। हमारे देश के लिये आज सबसे बड़ी चुनौतियों में नशे का कहर है। पंजाब के अशांत काल में जिस नशे का सैलाब पंजाब के युवाओं को भटकाने के लिये पड़ोस से आया था, वह आज एक पीढ़ी को बर्बाद करने लगा है। अब यह नशा पंजाब की सीमाओं को पार कर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली आदि राज्यों को अपने आगोश में ले रहा है। परिवार के परिवार नशे से तबाह हो रहे हैं। नशे की ओवरडोज से जवान लड़कों की मौत की खबरें मीडिया की सुर्खियां बनती रहती हैं। हमारी व्यवस्था की सड़ांध देखिये कि कई राज्यों के मंत्री से संतरी तक इस जहरीले कारोबार में लिप्त बताए जाते हैं। पुलिस विभाग की काली भेड़ें भी तस्करों की मदद करने पर लगी हैं। पिछले दिनों पंजाब में एक जेल से नशा तस्करों द्वारा करोड़ों के लेनदेन और चालीस हजार से ज्यादा फोन कॉल होना बता रहा है कि हमारा तंत्र कितना भ्रष्ट हो गया है। अपराधी जेल के भीतर अय्याशी कर रहे हैं। जेल के भीतर से फिरौती लेने की खबरें अक्सर आती हैं। आम आदमी की सुरक्षा की चिंता किसी को नहीं है। पिछले दिनों देश राममय हुआ। निस्संदेह, राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षा और एजेंडे को अलग रख दें, तो राम मंदिर भारतीय अस्मिता का पर्याय रहा है। पांच सदियों की कसक को पूरा होते देख एक उत्साह का संचार होना लाजिमी था। लेकिन यह हमारे लिये धैर्य व संयम का समय है। इसे किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारतीय गणतंत्र की खूबसूरती ही है कि सदियों पुराने जन्मभूमि के विवाद को हमने न्यायालय के जरिये सुलझा लिया। सभी पक्षों ने न्यायालय के फैसले का सम्मान किया। वहां आज राम मंदिर आकार ले चुका है। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। अब हमें आगे भविष्य की ओर देखना है। भारत बहुरंगी-बहुधर्मी संस्कृति का देश है। कोस-कोस पर भाषा व जीवनशैली बदलने वाला देश है भारत। हमें अपनी विविधता और गंगा-जमुनी संस्कृति के देश की अस्मिता की रक्षा करनी है। सहिष्णुता से ही हमारा गणतंत्र समृद्ध होगा।

साहित्य से ही बदलता है समाज!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

साहित्य चाहे किसी भी भाषा का हो, वह समाज को बदलने का सशक्त माध्यम है, जो समाज को व्यापक रूप से प्रभावित कर देश की भी दशा व दिशा तय करता है। यह समाज में लोगों को प्रेरित करने का कार्य करता है और जहाँ एक ओर यह सत्य के सुखद परिणामों को दर्शाता है, वहीं असत्य का अंत कर प्रेरक सीख व शिक्षा प्रदान करता है। अच्छा साहित्य व्यक्ति और उसके चरित्र निर्माण में भी सहायक होता है। यही कारण है कि समाज के नवनिर्माण में साहित्य की केंद्रीय भूमिका होती है। इससे समाज को दिशा-बोध होता है और साथ ही उसका नवनिर्माण भी होता है। साहित्य समाज को संस्कारित करने के साथ-साथ जीवन मूल्यों की भी शिक्षा देता है एवं कालखंड की विसंगतियों, विद्रूपताओं एवं विरोधाभासों को रेखांकित कर समाज को संदेश प्रेषित करता है, जिससे समाज में सुधार आता है और सामाजिक विकास को गति मिलती है।

साहित्य में मूलतः तीन विशेषताएँ होती हैं जो इसके महत्त्व को रेखांकित करती हैं।साहित्य अतीत से भी प्रेरणा लेता है, वर्तमान को चित्रित करने का कार्य करता है और भविष्य का मार्गदर्शन करता है। साहित्य को समाज का दर्पण इसीलिए माना गया है। यद्यपि जहाँ दर्पण मानवीय बाह्य विकृतियों और विशेषताओं का दर्शन कराता है वहीं साहित्य मानव की आंतरिक विकृतियों और खूबियों को चिह्नित करता है।तभी तो साहित्य पढ़कर ही साहित्यकार के व्यक्तित्व की पहचान हो जाती है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि साहित्यकार समाज में व्याप्त विकृतियों के निवारण हेतु अपेक्षित परिवर्तनों को भी साहित्य में स्थान देता है।मानव अपने मन में उठने वाले भावों को जब लेखनीबद्ध कर भाषा के माध्यम से प्रकट करने लगता है तो वह रचनात्मकता ज्ञानवर्धक अभिव्यक्ति के रूप में साहित्य कहलाता है। साहित्य का समाजदर्शन शूल-कंटों जैसी परंपराओं और व्यवस्था के शोषण रूप का समर्थन करने वाले धार्मिक नैतिक मूल्यों के बहिष्कार से भरा पड़ा है। जीवन और साहित्य की प्रेरणाएँ समान होती हैं। समाज और साहित्य में अन्योन्याश्रित संबंध होता है। साहित्य की पारदर्शिता समाज के नवनिर्माण में सहायक होती है जो खामियों को उजागर करने के साथ उनका समाधान भी प्रस्तुत करती है। समाज के यथार्थवादी चित्रण, समाज सुधार का चित्रण और समाज के प्रसंगों की जीवंत अभिव्यक्ति द्वारा साहित्य समाज के नवनिर्माण का कार्य करता है।अमीर खुसरो से लेकर तुलसी, कबीर, जायसी, रहीम, प्रेमचंद, भारतेन्दु, निराला, नागार्जुन तक की श्रृंखला के रचनाकारों ने समाज के नवनिर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्नीसवीं एवं बीसवीं शताब्दी को भारतीय साहित्य के सांस्कृतिक एवं समाज निर्माण की शताब्दी कहा जा सकता है। इस शताब्दी ने स्वतंत्रता के साथ-साथ समाज सुधार को भी संघर्ष का विषय बनाया। इस काल के साहित्य ने समाज जागरण के लिये कभी अपनी पुरातन संस्कृति को निष्ठा के साथ स्मरण किया है, तो कभी तात्कालिक स्थितियों पर गहराई के साथ चिंता भी अभिव्यक्त की।साहित्य में किसी भी समाज की परम्पराओं, रीति-रिवाजों, संघर्षों नियमों को लिखित रूप में देखा जा सकता है। एक सजग साहित्यकार समाज में घटित परम्पराओं, विचारों को अनुभूत करके शब्दों के माध्यम से वर्णित करता है। इस रूप में साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब ही प्रस्तुत नहीं करता वरन् उसके भविष्य की दिशा एवं दशा की ओर भी संकेत करता है।

साहित्य तथा समाज का सम्बन्ध अटूट. है। यदि साहित्य समाज की उपेक्षा करके कालजयी नहीं बन सकता तो किसी भी समाज को सही दिशा देने में तत्कालीन साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भी रहता है। कहना न होगा कि साहित्य की संवेदना समाज की संवेदना होती है। किसी भी समाज की उन्नति-अवनति, परम्पराएँ, गुण-दोष साहित्य में मुखरित होते हैं। समाज में नित्यप्रति घटित होने वाली घटनाओं और उनकी संस्कृति को साहित्यकार अपनी लेखनी द्वारा साकार करता है।कोई भी साहित्यिक रचना जिन हाथों में आकार ग्रहण करती है उन्हें संचालित करने वाली चेतना के निर्माण में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रहने के कारण तो रचना में समाज उतरता ही है, रचनाकार के अपने साक्षात्कारों और जीवनालोचन में समाकर भी साहित्य में समाज साकार होता है। यही कारण है कि परोक्ष-अपरोक्ष रूप से साहित्य समाज को संचालित करने का दायित्व निभाता है।वीरगाथा काल हो, भक्तिकाल, रीतिकाल अथवा आधुनिक काल सभी कालों में साहित्य द्वारा समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन देखे जा सकते हैं। यदि साहित्य द्वारा समाज में परिवर्तन होता है तो समाज भी साहित्य के लिए अपार ज्ञान-सामग्री प्रस्तुत करता है।प्रोफेसर कमलेश कुमारी के शब्दों में,14वीं शताब्दी से लेकर 17वीं शताब्दी तक भक्ति की विभिन्न निर्गुण-सगुण धाराओं को प्रवाहित करते हुए समाज को आंदोलित करता है, को देखा जा सकता है। एक ओर कबीर ने अपने युगीन समाज को लक्ष्य करके जाति-भेद, वर्ग-भेद, छुआछूत, बाह्याडम्बर पर कठोर प्रहार करते हुए एक समाज चेता का सच्चा रूप प्रस्तुत किया है। विश्वव्यापी मूल्य- राजा-प्रजा संबंध, पिता-पुत्र, पति-पत्नी, भाई-भाई के सम्बन्धों के आदर्श रूप को प्रस्तुत करते हैं जो तत्कालीन समाज में ही नहीं आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। अर्थात 'मानस' सदृश कालजयी साहित्य ने न केवल अपने युगीन समाज में भूमिका निभाई वरन् विश्व-समाज में आस्था के नये आयाम स्थापित किये।समाज में आज़ादी हेतु छटपटाहट एवं क्रांति-बीज आधुनिक काल के साहित्य में स्पष्ट दिखाई देते हैं। 19वीं शताब्दी से लेकर आज तक का साहित्य अपने युगीन समाज की समस्याओं का चित्रण प्रस्तुत करके समाज के यथार्थ रूप को उपस्थित करता रहा है।आदिकाल से लेकर आधुनिक काल के साहित्य और समाज पर दृष्टिपात करने से पता चलता है कि साहित्य संवेदना शून्य हो ही नहीं सकता। समाज की सोच, समस्याएँ, हलचल साहित्य में व्यक्त होंगी ही।साहित्य और समाज एक सिक्के के दो पहलू हैं। समाज अनुभवों की एक व्यापक उर्वरक भूमि है, जहाँ से साहित्य को सामग्री मिलती है। उस सामग्री का सदुपयोग श्रेष्ठ साहित्यकार ही कर पाता है। वह अपनी कल्पना शक्ति के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक आदर्श समाज की परिकल्पना करता है।साहित्य की धारा समाज का मार्ग प्रशस्त करती है। श्रेष्ठ साहित्य वही है जो जन मानस के अन्तर्मन को स्पर्श करें।हिन्दी साहित्य ने देश ही नहीं, वरन विदेशों में विशिष्ट छाप छोड़ी हैसाहित्य समाज व देश के लिए उपयोगी है। साहित्य में धर्म व विज्ञान का सामंजस्य देखने को मिलता है।

(लेखक सामाजिक सरोकारों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

भाजपा के बंधक बने नीतीश कुमार?

(लेखक-सनत जैन)

विपक्षी दलों के गठबंधन को छोड़कर प्रधानमंत्री की इच्छा रखने वाले नीतीश कुमार एक बार फिर एनडीए गठबंधन में चले गए हैं। उन्होंने नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं। दोनों ही उपमुख्यमंत्री तेज तर्रार हैं। वह लगातार नीतीश कुमार के खिलाफ उपमुख्यमंत्री बनने के पहले तक मोर्चा खोलकर रखे हुए थे। नीतीश कुमार को अब उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाना पड़ा है। इससे उनकी मजबूरी समझी जा सकती है। नीतीश कुमार भले भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए हैं, लेकिन सही मायने में सरकार भाजपा की ही होगी। वह स्वतंत्रता नीतीश कुमार को अब नहीं मिलेगी, जो पहले मुख्यमंत्री बनने पर उनके पास थी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वह लगातार नीतीश कुमार को अपने निशाने पर ले रहे थे। भाजपा के वह तेज तर्रार नेता हैं। वह भावी मुख्यमंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं। दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा हैं। जो भूमिहार जाति से आते हैं। उनकी भी संघ की पृष्ठभूमि है। वह भाजपा के बड़े समर्पित कार्यकर्ता हैं। वह भी नीतीश कुमार के कटु आलोचक हैं। जिस तरह से भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समर्थन दिया है, उसके साथ उन्हें पूरी तरह से घेरकर बंधक भी बना लिया है। कहा जा रहा है कि गृह मंत्रालय सम्राट चौधरी को दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा गृह मंत्रालय अपने पास ही रखा है। यदि ऐसा हुआ, तो मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी के चंगुल में फंसे रहेंगे। ना मंत्रिमंडल के अंदर वह कुछ कर पाएंगे, ना मंत्रिमंडल के बाहर प्रशासनिक स्तर पर कोई निर्णय ले पाएंगे। पिछले दो वर्षों में जिस तरह की बयानबाजी दोनों पक्षों की ओर से हुई थी। उसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था, कि उन्हें मरना कबूल है, लेकिन भाजपा में नहीं जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भी कहा था, जब तक हम नीतीश बाबू को मुख्यमंत्री पद से नहीं हटा देंगे, तब तक हम पग्गड़ और साफा नहीं बदलेंगे। भाजपा लगातार नीतीश कुमार पर आक्रमण कर रही थी। इसी बीच यह भी अपवाह फैलाई गई, कि विधानसभा अध्यक्ष जदयू के 12 विधायकों को बर्खास्त कर सकते हैं। इसके बाद तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। मीडिया ने नीतीश कुमार को निशाने पर ले रखा था। नीतीश बाबू ने, ललन सिंह को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटाकर स्वयं अध्यक्ष बनकर अपने आप को सुरक्षित बनाने का प्रयास भी किया। इससे वह कमजोर होते चले गए। नीतीश कुमार को जो भी डर रहा हो, जिस महत्वाकांक्षा को लेकर वह इंडिया गठबंधन से नाराज हुए थे। उनका मानना था, कि प्रधानमंत्री पद के लिए इंडिया गठबंधन में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन करके नीतीश कुमार को नाराज किया था। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी ने भी जदयू में सेंध लगाने का हर संभव प्रयास किया। गोदी मीडिया को नीतीश कुमार की सुपारी दे दी गई थी। इससे नीतीश कुमार इतना घबरा गए, कि उन्होंने बिना सोचे समझे घबराहट में आत्मघाती कदम उठा लिया। वह 2025 में मुख्यमंत्री बने रहेंगे, या नहीं। यह भी पक्का नहीं रहा। लोकसभा चुनाव तक उनकी अहमियत है। इसके बाद बिहार की राजनीति में एक बार फिर भारी बदलाव होना तय है। मंत्रिमंडल में जो दो उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं, वह हर तरीके से नीतीश बाबू पर भारी पड़ेंगे। जिसके कारण यह भी कहा जा रहा है, कि नीतीश कुमार के भविष्य का अब भगवान ही मालिक है। राजनीति के जितने बसंत उन्हें देखने थे, उन्होंने देख लिए हैं।

यह उनकी सत्ता और मुख्यमंत्री पद का आखिरी काल है। वह इतनी बार पाला बदल चुके हैं। हर किसी के साथ पिछले दो वर्षों में जिस तरह से उनके रिश्ते बने हैं। उसके बाद उनके सहयोगी भी उनका साथ तेजी के साथ छोड़कर अन्य ठिकाना तलाश करने में लग गए हैं। वर्तमान में जितनी दयनीय स्थिति में नीतीश बाबू पहुंच गए हैं। इसकी कल्पना शायद उन्होंने भी कभी नहीं की होगी। नीतीश कुमार के जाने के बाद इंडिया गठबंधन को नुकसान होगा या बिहार में फायदा मिलेगा। इसको लेकर कहा जा रहा है, कि वह यदि गठबंधन में बने रहते, तो राष्ट्रीय स्तर पर नुकसान करते। अब वह इंडिया गठबंधन में नहीं हैं। जिस तरीके से उन्होंने गठबंधन तोड़ा है। उससे उनकी साख बिहार में गिरी है। बिहार में इंडिया गठबंधन को फायदा भले ना हो लेकिन नुकसान भी नहीं होगा, यह कहा जा रहा है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी मैच्योरिटी से पहले छुड़ाएगी होल्डको बॉन्ड्स

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को 750 मिलियन डॉलर के 4.375 नोट्स या होल्डको नोट्स को 9 सितंबर, 2024 की मैच्योरिटी अवधि से 8 महीने पहले ही छुड़ाएगी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रोमोटर्स को 9,350 करोड़ रुपये के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट से फंड मिला है। जिसकी वजह से कंपनी इन नोट्स को छुड़ा पाने में सक्षम हुई है। एजीईएल के शेयरधारकों ने 18 जनवरी 2024 को भारी 99.9 फीसदी बहुमत के साथ तरजीही आवंटन को मंजूरी दे दी और उसके बाद प्रमोटरों ने पिछले सप्ताह एजीईएल में 2,338 करोड़ रुपये का प्राथमिक निवेश किया। एजीईएल ने सीनियर डेट रिडेम्पशन अकाउंट (एसडीआरए) और होल्डको नोट्स के अन्य आरक्षित खातों में धनराशि अलग रख दी है, जिसके बाद रिजर्व की फंडिंग पूरी हो गई है। कंपनी ने कहा है कि होल्डको नोट्स की बकाया राशि मैच्योरिटी से आठ महीने पहले होल्डको नोट्स को सुरक्षित करने वाले कई रिजर्व अकाउंट्स के हिस्से के रूप में अलग रखे गए कैश बैलेंस के माध्यम पूरी तरह से सुरे क्षित किए जाएंगे। रीपेमेंट का आधार 1.425 बिलियन डॉलर का सफल इक्विटी कैपिटल जुटाने की योजना है, जिसमें प्रमोटर्स की ओर से 1.125 बिलियन डॉलर का प्रेफरेंशियल इश्यू और टोटल एनर्जीज की ओर से 300 मिलियन डॉलर शामिल हैं।

चीनी का उत्पादन 2023-24 सीजन में चार फीसदी हो सकता है कम

नई दिल्ली । देश में चीनी का उत्पादन 2023-24 सीजन अक्टूबर-सितंबर में सालाना आधार पर करीब चार प्रतिशत घटकर 3.16 करोड़ टन रहने का अनुमान है। चीनी व्यापार संगठन अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने सोमवार को अपना पहला उत्पादन अनुमान जारी करते हुए कहा कि 3.16 करोड़ टन के अनुमानित चीनी उत्पादन और 57 लाख टन के शुरुआती भंडार के साथ देश में चीनी की उपलब्धता 3.73 करोड़ टन होने की संभावना है। यह अनुमानित घरेलू खपत 2.9 करोड़ टन से अधिक है। एआईएसटीए के अनुसार 2023-24 सीजन में चीनी का अंतिम भंडार करीब 82 लाख टन होगा। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पहला अनुमान इस्तेमाल किए गए गन्ने की मात्रा, अब तक प्राप्त उपज तथा वसूली दर, शेष खड़ी फसल तथा इथेनॉल के उत्पादन उत्पादन के लिए सुक्रोज के विविधीकरण को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि उत्पादन अनुमान में तीन प्रतिशत का अंतर हो सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 सीज़न में उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन 1.17 करोड़ टन से अधिक होने का अनुमान है। इसी अवधि में महाराष्ट्र में 96 लाख टन और कर्नाटक में 47 लाख टन उत्पादन का अनुमान है।

घरेलू स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों में लावा और क्यूबो को उच्च रेटिंग

नई दिल्ली । घरेलू स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों में लावा और क्यूबो को उच्च रेटिंग मिल रही हैं और वे ब्रांड स्वीकृति के मामले में अपने वैश्विक साथियों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। एक बाजार विश्लेषण फर्म ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फर्म ने दिसंबर में ई-कॉमर्स मंच अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 35 विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में 25 ब्रांडों को मिली रेटिंग के आधार पर एक अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमने पाया कि ई-कॉमर्स मंच पर रियलमी और रेडमी सहित विदेशी कंपनियों के लिए उपभोक्ताओं की औसत रेटिंग 4.3 थी। इसके मुकाबले लावा ने 4.2 अंक हासिल किए, जो उद्योग के मानक के बेहद करीब है। फर्म ने कहा कि लावा को 90 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने उच्च रेटिंग दी, जबकि वैश्विक ब्रांडों के लिए यह आंकड़ा 75.8 प्रतिशत था। इसी तरह इंटरनेट ऑफ थिंग्स श्रेणी में हीरो समूह की कंपनी क्यूबो को 4.1 रेटिंग मिली, जबकि उद्योग का औसत चार था।

ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होंगी की टाटा की कारें

-टिगोर और टियागो आईसीएनजी में है ये खूबियां

नईदिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने देश की पहली ऐसी कारों रही है, जो सीएनजी वैरिएंट में ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होंगी। कंपनी ने टिगोर आईसीएनजी और टियागो आईसीएनजी को ऑटोमैटिक गियरबॉक्स में लाने का खुलासा किया है। इन मॉडलों के लिए कंपनी ने बुकिंग लेना भी शुरू कर दिया है। इच्छुक ग्राहक 21,000 रुपये अमाउंट के साथ इन कारों की बुकिंग टाटा मोटर्स के आधिकारिक डीलरशिप पर या ऑनलाइन भी बुक कर सकते हैं। नई टियागो आईसीएनजी एएमटी तीन वेरिएंट (एक्सटीए सीएनजी, एक्सझेडए+सीएनजीऔर एक्सझेडए एनआरजी में उपलब्ध है, जबकि टिगोर आईएनजी एएमटी को दो वेरिएंट (एक्सझेडए सीएनजी और एक्सझेडए+सीएनजी) में खरीदा जा सकेगा। बता दें कि टाटा की सभी सीएनजी कारें ट्विन सिलेंडर टेक्नोलॉजी से लैस हैं। इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कार में एक्स्ट्रा स्पेस देने के लिए किया जाता है, जिसके तहत कार में एक बड़े सीएनजी सिलेंडर के बजाए दो छोटे सिलेंडर लगाए जाते हैं। इससे बूट में थोड़ी अधिक जगह मिलती है। पेट्रोल से सीएनजी मोड पर स्विच करने के लिए ये कारें एक सिंगल एडवांस्ड ईसीयू से लैस हैं। इन्हें डायरेक्ट सीएनजी मोड में स्टर्ट किया जा सकता है। इसके अलावा, टाटा मोटर्स ने इन मॉडलों के लिए नए कलर ऑप्शन भी पेश किए हैं। दोनों आईसीएनजी कारों में 26 किलोमीटर प्रति किलो माइलेज मिलती है। टिगोर आउट टियागो को जीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में क्रमशः 5 स्टार और 4 स्टार की सेफ्टी रेटिंग दी गई है। कंपनी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में सीएनजी मार्केट में 40.5 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।इन कारों में सेफ्टी फीचर्स के तौर पर एक माइक्रो स्विच भी दिया गया है, जो ईंधन भारवाते समय कार को बंद कर देता है। इसके अलावा सिलेंडर कम्पार्टमेंट में एक्स्ट्रा थर्मल प्रोटेक्शन भी मिलती है।

गैस लीक को रोकने के लिए आईसीएनजी किट में एडवांस्ड मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है।

स्पाइसजेट अपने बेड़े के उन्नयन पर देगी ध्यान

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा कि वह इस महीने अपने बेड़े के उन्नयन तथा लागत में कटौती के उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगी। एयरलाइन द्वारा वरिष्ठ कर्मचारियों को सोमवार को भेजे एक आंतरिक पत्र के अनुसार अब उसके पास 900 करोड़ रुपये से अधिक की पर्याप्त राशि है। इसमें सरकार से आपात क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत किस्त के रूप में प्राप्त 160 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कई परेशानियों से घिरी कंपनी को अब तक ईसीएलजीएस के तहत करीब 1,000 करोड़ रुपये मिले हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि हाल ही में कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह द्वारा एयरलाइन में निवेश करने के बाद यह नई किस्त जारी की गई। अधिकारी ने बताया कि कि एयरलाइन ने तीन महीने में कुल 1,100 करोड़ रुपये से अधिक का कोष जुटाया है। पत्र के अनुसार कंपनी बेड़े के उन्नयन, समय पर सेवाएं देने और परिचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए लागत में कटौती के उपाय लागू करने पर ध्यान देगी।

सोना चमका, चांदी ने भी दिखाए तेवर

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये के ऊपर, जबकि चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 157 रुपये की तेजी के साथ 62,263 रुपये के भाव पर खुला जो 158 रुपये की तेजी के साथ 62,264 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,854 रुपये के भाव पर खुला जो 227 रुपये की तेजी के साथ 72,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,040.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,017.30 डॉलर था जो 5.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,023.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.92 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.87 डॉलर था जो 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 22.99 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद , सेंसेक्स में 1200 अंकों से अधिक की बढ़त

21,700 के ऊपर निकला निफ्टी

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आई है। निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में मजबूती से भी बाजार ऊपर आया है। निवेशकों की नजर 31 जनवरी को अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल के ब्याज दरों को लेकर निर्णय और 1 फरवरी को अंतरिम बजट पर टिकी हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1240.90 अंक करीब 1.76 फीसदी की जबरदस्त तेजी के साथ ही 71,941.57 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 392.15 अंक तकरीबन 1.84 फीसदी बढ़कर 21,744.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। इसके अलावा कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी आज बढ़त के साथ बंद हुए। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, सन फार्मा, लार्सन एंड टुब्रो और स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, आईटीसी (आईटीसी) और टीसीएस (टीसीएस) के शेयरों में गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर आज बाजार में लगभग 7 फीसदी ऊपर आये। इंट्राडे सेशन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी के शेयरों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रिलायंस के अलावा एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी समेत अन्य शेयरों में लिवाली से भी बाजार को बल मिला। 1 फरवरी को आने वाले अंतरिम बजट को लेकर भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार का माहौल सकारात्मक रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आज तेजी रही। सुबह हैंग सेंग 1.5 फीसदी से ज्यादा उछला जबकि कोस्पी में 1 फीसदी की बढ़त रही। निक्केई में 0.8 फीसदी का उछाल रहा। शंघाई, स्ट्रेट्स टाइम्स और ताइवान के बाजारों में भी लगातार बढ़त रही है। मुद्रास्फीति के आंकड़ों में बढ़ोतरी के बीच अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुआ। डॉव जोन्स में 0.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि एसएंडपी 500 और नैस्डैक में 0.1 फीसदी और 0.4 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले आज सुबह बाजार शुरूआती कारोबार में जोरदार तेजी के साथ खुले। इस सप्ताह निवेशकों की नजर 31 जनवरी को अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल के ब्याज दरों को लेकर निर्णय और 1 फरवरी को अंतरिम बजट पर केंद्रित है। उससे भी बाजार में उत्साह रहा।

गरीबों के लिए नई किफायती आवास योजना लाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लिए ऋण पर सब्सिडी योजना की तर्ज पर शहरी गरीबों के लिए नई किफायती आवास योजना लाने पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि इस योजना के तहत शहरों और उनके आसपास के इलाकों के निम्न एवं मध्यम आय वाले परिवारों को मकानों के लिए सब्सिडी दी जाएगी। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने प्रस्तावित ऋण सब्सिडी योजना की बारीकियां तैयार करने के लिए देश के कुछ शीर्ष ऋणदाताओं के साथ बैठकें की हैं। इन बैठकों में शामिल अधिकारियों के मुताबिक मंत्रालय ने संकेत दिया है कि योजना के तहत सब्सिडी का हिस्सा पिछली बार की तरह अधिक नहीं होगा। सरकार ने यह भी पूछा है कि इस योजना के लिए ऋणदाताओं को कितनी रीफाइनैंसिंग की जरूरत होगी, ऋणदाताओं को किस दर पर रकम दी जानी चाहिए और कर्ज लेने वालों के लिए ब्याज दर क्या रहेगी? एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि मंत्रालय के अधिकारी जानना चाहते थे कि ऋणदाताओं को कितने ब्याज पर कर्ज दिया जाना चाहिए। वे यह भी जानना चाहते थे कि आवेदकों को ऋणदाता कितने ब्याज पर कर्ज देंगे। उन्होंने कहा कि योजना गरीबों के लिए है, इसलिए ऋणदाताओं को ऊंचा मुनाफा नहीं लेना चाहिए। पिछली बार ऋण सब्सिडी योजना में 20 साल के लिए कर्ज लेने वाले हर लाभार्थी को 2.30 लाख रुपये से 2.67 लाख रुपये तक सब्सिडी दी गई थी। घटनाक्रम के जानकार एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि प्रस्तावित योजना मुख्य रूप से शहरों और उसके आसपास के इलाकों के लिए होगी। पिछली बार ऋण सब्सिडी योजना में 20,000 से अधिक जगहें शामिल थीं।

अदालत ने चाइना एवरग्रांडे को संपत्ति बेचने का दिया आदेश

हांगकांग । हांगकांग की एक अदालत ने रियल एस्टेट समूह चाइना एवरग्रांडे को लेनदारों के साथ पुनर्गठन समझौते पर पहुंचने में असफल रहने के बाद अपनी संपत्ति बेचने का सोमवार को आदेश सुनाया। न्यायाधीश लिंडा चान ने कहा कि व्यवहार्य पुनर्गठन प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में कंपनी की ओर से प्रगति की कमी के साथ-साथ एवरग्रांडे के दिवालिया होने की स्थिति को देखते हुए अदालत के लिए एवरग्रांडे को अपना व्यवसाय बंद करने का आदेश देना उचित है। आदेश से चीन की वित्तीय प्रणाली पर असर पड़ने की आशंका है, भले ही अधिकारी चीनी शेयर बाजार में बिकवाली को रोकने की कोशिश कर रहे हों। एवरग्रांडे को दिसंबर में थोड़े समय के लिए छूट दी गई थी। तब समूह ने कहा था कि वह देनदारियों में 300 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की नई ऋण पुनर्गठन योजना को और बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। लेनदारों के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील फर्गस सौरिन ने कहा कि वह आदेश से आश्चर्यचकित नहीं हैं। कंपनी हमारे साथ जुड़ने में विफल रही है।

काइनेटिक लूना की फिर हो रही वापसी

-मात्र 500 रुपये में शुरू होगी बुकिंग

नई दिल्ली ।

लोकप्रिय मोपेड काइनेटिक लूना एक बार फिर वापसी होने जा रही है। कंपनी ने इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। अब लूना पूरी तरह इलेक्ट्रिक मॉडल में आएगी। इसकी बुकिंग 26 जनवरी से 500 रुपये में कंपनी की वेबसाइट पर शुरू होने वाली है। बता दें कि काइनेटिक ने इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में कदम रख दिया है और वर्तमान में इलेक्ट्रिक स्कूटर समेत कई तरह के इलेक्ट्रिक वाहन बना रही है। चूंकि लूना इलेक्ट्रिक मॉडल में आने वाली है, इसलिए इसका उत्पादन काइनेटिक इलेक्ट्रिक करेगी। ई-लूना को इसी साल फरवरी में लॉन्च किया जाएगा. फिलहाल काइनेटिक ने ई-लूना की रेंज और फीचर्स के बारे में आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है. हालांकि, कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इलेक्ट्रिक लूना फुल चार्ज पर 100 किलोमीटर की रेंज देगी. वहीं इसकी टॉप स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित होगी. लूना में एलईडी हेडलाइट, डिजिटल डिस्प्ले, सेफ्टी लॉक जैसे फीचर्स मिलने की उम्मदी है. लूना को प्राइवेट और कमर्शियल ग्राहकों के लिए अलग-अलग मॉडलों में लॉन्च किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक इसकी कीमत 70,000 रुपये से कम हो सकती है. इसपर फेम-2 सब्सिडी का भी फायदा भी दिया जा सकता है।

मालूम हो कि कम सेल्स और नए उत्सर्जन नियमों के वजह से काइनेटिक लूना का उत्पादन साल 2000 में बंद कर दिया गया था। यह मोपेड एक समय इतनी लोकप्रिय थी कि कंपनी इसकी हर दिन 2,000 यूनिट्स बेच रही थी। अपने पूरे जीवनकाल में लूना 50 लाख यूनिट्स बिक गई थी। वहीं, इसने मोपेड मार्केट में अपनी 95 प्रतिशत हिस्सेदारी बना ली थी।

टेलीविजन की कीमत में फिर हो सकती है 10 फीसदी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

टीवी का पैनल बनाने में उपयोग होने वाले ओपन सेल की कीमतें लगातार बढ़ने से कंपनियां भी टीवी के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं1 महामारी के बाद से ही ओपन सेल की कीमतों में तेजी है और दिसंबर से इसके दाम करीब 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इसे लिए टीवी पैनल बनाने वाली कंपनियां फरवरी के आखिर में दाम 15 फीसदी और बढ़ाने की तैयारी में हैं। कंपनियां उत्पादन में कटौती करने पर भी विचार कर रही हैं, जिससे मांग के मुकाबले आपूर्ति कम रह सकती है। ओपन सेल टेलीविजन का प्रमुख हिस्सा होता है और उत्पादन पर होने वाले कुल खर्च में 60-65 फीसदी हिस्सेदारी इसी की होती है। इसका सबसे ज्यादा उत्पादन चीन की 4-5 कंपनियां करती हैं और ओपन सेल के दाम भी अपनी मर्जी से ही तय करती हैं।

इसका दाम पिछले साल अगस्त में भी काफी बढ़ गया था, लेकिन उत्पादक कंपनियों ने दाम घटाए तो इनमें कुछ नरमी आई थी। एक रिटेलर ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि छोटी और बड़ी स्क्रीन के टेलीविजन पैनल के दाम बढ़ सकते हैं। लेकिन दाम कितने बढ़ेंगे, यह टीवी कंपनियां ही तय करेंगी।

रिटेलर ने कहा कि कुछ कंपनियां दाम एकमुश्त न बढ़ाकर धीरे-धीरे बढ़ा सकते हैं क्योंकि पहले ही काफी स्टॉक बिके बगैर पड़ा है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमत 84 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद यूपी-बिहार में सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। वै श्विक बाजार में क्रूड 84 डॉलर के भाव को भी पार कर गया है। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। आज यूपी और बिहार के कई शहरों में तेल सस्ता हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 96.59 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 17 पैसे गिरकर 89.76 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल सस्ता हुआ और 11 पैसे गिरकर 107.48 रुपये लीटर बिक रहा है।

यहां डीजल भी 10 पैसे गिरकर 94.26 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 29 पैसे महंगा हुआ और 97.10 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 27 पैसे महंगा होकर 89.96 रुपये लीटर हो गया है। वैश्विक बाजार में सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार तेजी जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 84.18 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई का भाव उछाल के साथ 78.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपये और डीजल 94.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

स्पाइसजेट ने आवंटित किए 744 करोड़ के शेयर और वारंट

कंपनी की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में उठाया कदम

नईदिल्ली ।

स्पाइसजेट ने अपने तरजीही आवंटन (इश्यू) की पहली किस्त में कुल 744 करोड़ रुपये के शेयर और वारंट आवंटित किए हैं। यह निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल ने लिया, जो स्पाइसजेट की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक, निदेशक मंडल ने 54 ग्राहकों को तरजीही आधार पर 5.55 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित करने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, बोर्ड ने 9.33 करोड़ वारंट के आवंटन को मंजूरी दे दी, जिसमें एलारा इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड लिमिटेड और सिल्वर स्टैलियन लिमिटेड को तरजीही आधार पर आवेदन करने और समतुल्य संख्या में इक्विटी शेयर आवंटित करने का विकल्प दिया गया।

स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा : हम अपने तरजीही आवंटन की पहली किस्त के पूरा होने से खुश हैं, जो स्पाइसजेट की विकास संभावनाओं में निवेशकों के विशे वास को दर्शाता है और हम आगे की आवंटन प्रक्रिया को उत्तरोत्तर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फंड इन्फ्यूजन स्पाइसजेट के लिए नए रास्ते खोलेगा, जिसके परिणामस्वरूप अधिक नकदी-कुशल संचालन, विस्तारित बेड़ा और नेटवर्क होगा। स्पाइसजेट को शेष ग्राहकों से इक्विटी/वारंट जुटाने की एक और किस्त पूरी करनी है और उसने चल रहे तरजीही मुद्दे के तहत प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अतिरिक्त समय का अनुरोध किया है।

Sports

कोहली इस समय विश्व क्रिकेट के सबसे फिट खिलाड़ी : रोहित

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी फिटनेस के प्रति बेहद गंभीर हैं। इसी कारण उन्हें कभी भी राष्ट्रीय क्रिकेट संघ (एनसीए) में विशेषज्ञों की सेवा नहीं लेनी पड़ी। रोहित ने माना है कि कोहली इस समय विशे व क्रिकेट के सबसे फिट खिलाड़ी हैं। कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर हैं। अनुभवी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में कोहली ने कहा कि वह चाहते हैं कि युवा कोहली से प्रेरणा लें। रोहित ने कहा, विराट अपने पूरे करियर में कभी भी एनसीए नहीं गए हैं। मैं कहूंगा कि सभी युवा खिलाड़ियों को उनका जुनून देखना चाहिए। वह कवर ड्राइव, फ्लिक, कट कैसे खेलते हैं, इसकी बात छोड़ दें, बल्कि सबसे पहले यह समझें कि खिलाड़ियों की गुणवत्ता क्या है जो उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाती है। रोहित ने कहा, मैंने कोहली को काफी देखा है। उन्होंने जो हासिल किया है, उससे वह आसानी से संतुष्ट हो सकते हैं। वह कह सकते हैं कि मैं इन 2-3 सीरीज में आराम करूंगा, मैं बाद में आऊंगा, लेकिन वह हमेशा टीम के लिए मौजूद रहे हैं। भूखे रहने और संतुष्ट न रहने की मानसिकता को सिखाया नहीं जा सकता।

अंडर 19 विश्व कप सुपर सिक्स में आज न्यूजीलैंड से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

दोपहर 1.30 से होगा मैच

ब्लोमफोंटेन ।

भारतीय अंडर टीम मंगलवार को यहां अंडर 19 विश्व कप में सुपर सिक्स चरण के मुकाबले में न्यूजीलैंड से खेलेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने तीनो ही मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं और वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका को हराकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने के साथ ही सुपर सिक्स में पहुंची है। भारतीय टीम ने इसी मैदान पर अपने तीनों मैच जीते हैं जिसके कारण भी भारतीय टीम यहां के हालातों को जानती है जिसका लाभ उसे कीवी टीम के खिलाफ मुकाबले में मिलेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम ईस्ट लंदन से आई है और उसके लिए एकदम से हालात के अनुरूप ढलना आसान नहीं होगा। की टीम ग्रुप डी में तीन मैचों में दो जीत के बाद दूसरे स्थान पर रही है पर उसके बल्लेबाज अब तक इस टूर्नामेंट में सहज नहीं दिखे और संघर्ष करते रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 91 रन के लक्ष्य का पीछा करने में भी उसे आसानी से जीत नहीं मिली। इसके अलावा पाकिस्तान के खिलाफ उसे 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। उसे अगर जीत दर्ज करनी है तो बड़ा लक्ष्य भारतीय टीम को देना होगा।

पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हालांकि भारतीय टीम को कुछ संघर्ष करना पड़ा पर बचे हुए दोनों मैचों में भारत ने अच्छी जीत हासिल की। भारत के लिए सकारात्मक बात ये रही है कि एक या दो बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी लेकर रन बनाए हैं। वहीं तीसरे नंबर के बल्लेबाज मुशीर खान ने भी लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर एक शतक और एक अर्धशतक लगाकर सबसे अधिक रन बनाने वालों में तीसरे नंबर पर हैं। वहीं बल्लेबाज आदर्श सिंह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल पाए और ऐसे में अब उनका इरादा बड़ा स्कोर बनाने का होगा। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी का आत्मविश्वास भी शतक के बाद बढ़ा है। भारतीय टीम के कप्तान उदय सहारन ने भी अब अच्छी बल्लेबाज की है और वह इस सिलसिले को बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी में बायें हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी और स्पिनर सौम्य पांडे ने भी अब प्रभावी भूमिका निभाई है। पिछले दो मैचों में नमन ने चार जबकि सौम्य ने आठ विकेट लिए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : उदय सहारन (कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रुद्र मयूर पटेल, सचिन धस, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरवेल्ली अवनीश राव, सौम्य कुमार पांडे, मुरुगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्या शुक्ला, राज लिम्बानी और नमन तिवारी

न्यूजीलैंड : आस्कर जैकसन (कप्तान), मेसन क्लार्क, सैम क्लोड, जैक कमिंग, रहमान हिकमत, टॉम जोंस, जेम्स नेलसन, स्नेहित रेड्डी, मैट रोव, एवाल्ड श्रूडर, लाचलान स्टैकपोल, ओलिवर तेवतिया, एलेक्स थॉम्पसन, रियान सोरगास, ल्यूक वाटसन।

जड़ेजा और राहुल दूसरे टेस्ट से बाहर , सरफराज, सौरभ और सुंदर शामिल

मुम्बई ।

रवींद्र जड़ेजा और केएल राहुल को चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम मे शामिल नहीं किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में युवा सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापटनम में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने कहा कि जडेजा और राहुल को दूसरे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट के लिए टीम में जगह नहीं दी है। हैदराबाद में पहले टेस्ट के चौथे दिन जडेजा की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था जबकि राहुल ने भी दर्द की शिकायत की थी। इसी कारण इस दोनों खिलाड़ियों की जगह युवाओं को अवसर दिया गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम दोनों की प्रगति पर नजर रख रही है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा, पुरुष चयन समिति ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को भारत की टीम में शामिल किया है। वहीं सारांश जैन को एक फरवरी से अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम मल्टी-डे गेम के लिए भारत ए टीम में वाशिंगटन सुंदर की जगह पर शामिल किया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम :

रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), अवेश खान, रजत पाटीदार, सरफराज खान, वाशिंगटन सुंदर, सौरभ कुमार।

भारत ने हॉकी5एस पुरुष विश्व कप में जमैका को 13-0 से हराया

मस्कट । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओमान में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी5एस पुरुष विश्व कप 2024 के अपने तीसरे और अंतिम पूल बी मैच में जमैका को 13-0 से हरा दिया। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। भारत की ओर से मनिंदर सिंह ने शुरुआत में ही दो गोल दाग दिये। इसके बाद उत्तम सिंह और मंजीत ने भी एक-एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 4-0 तक पहुंचा दिया। भारतीय टीम के लगातार हमलों का जमैका के पास कोई जवाब नहीं था। इसके बाद पवन राजभर और गुरजोत सिंह ने भी गोल दाग दिया। भारतीय टीम ने हाफटाइम तक ही 6-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने आक्रामक आक्रामक रणनीति बरकरार रखी। मोहम्मद रहील , मनदीप मोर मंजीत और मनिंदर सिंह ने लगातार गोल दाग दिये जिससे भारत ने 13-0 की बढ़ी बढ़त हासिल कर मुकाबला एकतरफा अंदाज में जीत लिया। जमैका की टीम एक भी गोल नहीं कर पायी।

भारत के मनदीप ने इंटर कॉन्टिनेंटल मुक्केबाजी खिताब जीता

चंडीगढ़ ।

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने अमेरिका में इंटर कॉन्टिनेंटल मुक्केबाजी खिताब जीता है। मनदीप ने इस खिताबी मुकाबले में अमेरिकी मुक्केबाज गेराडों एस्क्विवेल को आसानी से हरा दिया। रॉय जोन्स जूनियर के साथ उन्होंने इस मुकाबले की तैयारी की थी। रॉय जोन्स जूनियर ओलिंपिक पदक विजेता रहे हैं और दो बार गोल्डन ग्लव्ज मुक्केबाज खिताब उन्होंने जीता है। मनदीप रॉय जोन्स के साथ जुड़ने वाले और बेल्ट के लिए लड़ने वाले और इसे हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। उनका इस दौरान मिनर्वा एकेडमी ने भी पूरा साथ दिया है और भारत में रहते हुए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग उन्होंने इस एकेडमी के साथ ही की। मनदीप ने 75 किलोग्राम वर्ग में मुकाबला किया। इंटर कॉन्टिनेंटल टाइटल फाइट के लिए उन्होंने 6 महीने में वजन कम किया और 59 किलोग्राम वर्ग में खेलने के लिए उतरे। मनदीप ने अभी तक पेशेवर मुक्केबाजी में अपना हर मुकाबला जीता है। उन्होंने सातों मुकाबलों में जीत हासिल की है। टाइटल खिताब से पहले उन्होंने 6 में से 4 नॉकआउट करते हुए जीती हैं। एक फाइट उनकी रद्द हुई। मनदीप ने कहा कि ये जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जिसने पूरे सफर में मेरा साथ दिया है। मेरे कोच, परिवार, प्रशंसक आदि मेरे साथ खड़े रहे। मैं इस खिताब को अपने देश को समर्पित करता हूं। मैं कोशिश करूंगा कि आने वाले समय में भी ऐसे ही देश के लिए सम्मान व टाइटल हासिल करता रहूं।

संक्षिप्त समाचार

कुंबले बोले पुजारा को नहीं मिले शुभमन जितने अवसर

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद भी युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को काफी अवसर मिले हैं जबकि अनुभवी बल्लेबाज को इस प्रकार की सुरक्षा नहीं मिली थी। शुभमन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में विफल रहे थे। वह पिछली 11 टेस्ट पारियों में अर्धशतक नहीं लगा पाये। इसके बाद भी कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने उनपर भरोसा कायम रखा है। कुंबले ने कहा, 'शुभमन को जो सुरक्षा मिली हुई है वह पुजारा को भी नहीं मिली थी जबकि पुजारा ने 100 से अधिक टेस्ट खेले हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बार बार पुजारा की बात करता हूं क्योंकि वह कुछ समय पहले तक तीसरे नंबर पर उतरते थे। पुजारा ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला और उसके बाद से ही शुभमन तीसरे नंबर पर उतर रहे हैं। पुजारा ने जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला था जिसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। इस महीने की शुरूआत में उन्होंने रणजी मैच में नाबाद 243 रन बनाए, इसके बाद भी उन्हें वापसी का अवसर नहीं मिला। वहीं कुंबले ने कहा कि शुभमन को बेहतर बल्लेबाजी के लिए अपनी मानसिकता पर काम करना होगा और तकनीक को भी ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'अगर आप भारत में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं तो तकनीक पर काम करना होगा। उसके पास हुनर है और वह युवा है, सीख रहा है लेकिन उसे दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलना होगा वरना उस पर मानसिक दबाव आ जाएगा।

धोनी ने पूर्व कारोबारी साझेदारों के मानहानि के मामले को चुनौती दी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अपने पूर्व कारोबारी साझेदारों मिहिर दिवाकर और उनकी पत्नी सौम्या दास के द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। धोनी ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि ये याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि उन्होंने पहले ही रांची की एक अदालत में इस दंपति के खिलाफ मामला दायर किया है। वहीं इन दोनों ने 15 करोड़ रुपये के कथित अवैध लाभ और 2017 के अनुबंध के उल्लंघन के मामले में धोनी पर ही मानहानि का मामला दर्ज किया है। वहीं पिछली बार, अदालत ने निर्देश दिया था कि वह धोनी को उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर करने के बारे में सूचित करे, यह देखने के बाद कि उन्हें वादी द्वारा याचिका नहीं दी गई है और उन्हें सूचना जारी करना उचित समझा गया था। यह वाद विभिन्न रुप से प्रमुख प्लेटफार्मों एक्स, गूगल, यूट्यूब, मेटा (फेसबुक) और कई समाचार पत्रों के खिलाफ भी है, जिससे कि वे उनके खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक लेख और पोस्ट हटा सकें। धोनी के वकील ने सोमवार को अदालत को जानकारी दी कि उन्हें अभी तक शिकायत की प्रति नहीं मिली है।उनके वकील सिद्धांत कुमार ने यह भी तर्क दिया कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और पिछले फैसले का हवाला देते हुए प्रत्येक प्रतिवादी के खिलाफ विशिष्ट आरोपों की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों के वकील ने मीडिया द्वारा निष्पक्ष रिपोर्टिंग की वकालत करते हुए तर्क दिया कि मौजूदा कवरेज ने उनके ग्राहकों को गलत तरीके से ठग और चोर करार दिया है।

शुभमन की जगह खतरे में पड़ी , सरफराज और रजत दे रहे टक्कर

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में टीम में उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है। पिछले कुछ समय में उनका औसत गिरकर औसत 13.20 पर पहुंच गया है। शुभमन के इस प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए उन्हें टीम में बनाये रखना बेहद कठिन हो गया है। हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड ने जिस प्रकार वापसी करते हुए जीत दर्ज की है। उसके बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट को बड़ा फैसला लेना ही होगा। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने साफ कहा कि शुभमन गिल को कोच राहुल द्रविड़ के साथ नेट्स पर समय बिताना चाहिए।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ अगला टेस्ट मैच 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेलना है। हैदराबाद टेस्ट में 28 रन की हार के बाद भारतीय टीम पर वापसी का दबाव रहेगा।

हैदराबाद टेस्ट में कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा, तो ज्यादातर का औसत जबकि दो खिलाड़ी पूरी तरह विफल रहे। पहली पारी में 23 रन बनाने वाले शुभमन दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाये जबकि मोहम्मद सिराज मैच में एक भी विकेट नहीं ले सके। भारतीय टीम जब विशाखापत्तनम टेस्ट मैच में उतरेगी तो उसे इन दो खिलाड़ियों को शामिल किये जाने पर दोबारा विचार करना होगा।

शुभमन टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में ही फिट बैठता है। ऐसे में टीम से बाहर करने से उनका आत्मविश्वास कम हो सकता है। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच की जोड़ी का यही मानना रहा है।

पहले अंतिम ग्यारह में बार-बार बदलाव देखने को मिलते थे. जबकि रोहित-द्रविड़ खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देते हैं हालांकि इससे कई बार दूसरे खिलाड़ियों के मौके छिन जाते हैं। हाल में सरफराज खान ने भी घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं और वह भी टीम में जगह के लिए लगातार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। इसके अलावा रजत पाटीदार ने जनवरी में ही इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो शतक लगाए हैं. उन्होंने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 151 रन की पारी खेली तो पारी करते हुए 111 रन बनाये। यानी उन्होंने नई गेंद का सामना करते हुए ये शतक लगाए हैं। ऐसे में वह भी टीम में जगह के दावेदार हैं।

अय्यर को दूसरे टेस्ट में मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के दो बल्लेबाज अभी फार्म में नहीं हैं। इसमें से एक शुभमन गिल हैं और दूसरे श्रेयस अय्यर। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शुभमन दोनो ही पारियों में विफल रहे। ऐसे में शुभमन को विशाखापत्तनम में होने वाले दूसरे टेस्ट में शायद ही अवसर मिले। वहीं श्रेयस को इस मैच में अवसर मिल सकता है पर टीम में जगह पक्की रखने के लिए श्रेयस को दूसरे टेस्ट में रन बनाने होंगे। अय्यर इस मैच में अच्छा खेले तो भी उन्हें अगले मैच से बाहर किया जा सकता है। इसका कारण ये है कि तीसरे टेस्ट में विराट कोहली वापसी करेंगे और ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को बाहर होना होगा और अभी इस मामले में अय्यर की दावेदारी सबसे कमजोर लग रही है। इस बल्लेबाज ने पिछली 11 पारियों में 206 रन बनाए हैं। इनमें 2 अर्धशतक भी शामिल हैं, जबकि 2 पारियों में उन्होंने 30 रन से ज्यादा बनाये थे। एक बार वे नाबाद भी रहे हैं। वहीं विश्वकप सेमीफाइनल के बाद उनका औसत 20.60 का रहा है। राष्ट्रीय टीम में ये आंकड़ा अच्छा नहीं कहा जाएगा। इसके अलावा उनकी एक कमजोरी ये है कि वह अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। अगर वे 30 रन से बड़ी 4 पारियों में से एक या दो को शतक में बदल पाते तो टीम और उनके लिए भी यह लाभदायक साबित होता। वहीं हैदराबाद टेस्ट हारने के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने भी यही बात कही कि अगर हमारे बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को शतक में बदल पाते तो परिणाम कुछ और होता। वहीं शुभमन बेहद खराब दौर से गुजर रहे हैं। पिछली 10 पारियों में वह केवल एक बार ही 30 रन से अधिक बना पाये हैं। वहीं अय्यर 4 बार ऐसा कर चुके हैं। इससे लगता है कि शुभमन अपनी पारी ठीक से शुरू ही नहीं कर पा रहे हैं जबकि श्रेयस अच्छी शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन उसे बड़ी पारी में बदल नहीं कर पा रहे हैं। इसका कारण श्रेयस का आक्रामक रुख भी रहा है। ज्यादातर अवसरों पर उन्होंने अपने विकेट शॉट खेलते हुए ही खोये हैं। अय्यर का दूसरा टेस्ट खेलना तय है पर तीसरे टेस्ट मैच में विराट कोहली की वापसी से किसी एक खिलाड़ी को बाहर बैठना होगा। विराट चौथे नंबर पर खेलेंगे।

डब्लयूटीसी अंकतालिका में पांचवें स्थान पर खिसकी भारतीय टीम

हैदराबाद । इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार से भारतीय क्रिकेट टीम को करारा झटका लगा है। इस हार से भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) अंकतालिका में भी नीचे आयी है। भारतीय टीम अब नई रैंकिग में बांग्लादेश से भी नीचे फिसल गयी है। पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट मैच में इंग्लैंड से मिली हार के बाद भारतीय टीम अब पांचवें स्थान पर है। भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में 28 रनों से हार मिली थी। अब आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की रैंकिंग के आने के बाद भारतीय टीम पांचवें स्थान पर खिसक गयी है। डब्लयूटीसी के इस नये सत्र में अब तक दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ भारतीय टीम चैंपियनशिप में अहम मोड़ पर है। ऐसे में अब दूसरे टेस्ट मैच का परिणाम बेहद अहम रहेगा। इस टेस्ट मैच पर सभी का ध्यान रहेगा। भारतीय टीम इस मैच से वापसी का प्रयास करेगी। इस मैच में सभी की नजरे शुभमन गिल के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। शुभमन पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में असफल रहे थे। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे।

इंग्लैंड ने दिखाया कि वह एक शीर्ष टीम है : हुसैन

संदेह करने पर और खतरनाक हो जाती है टीम

हैदराबाद ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय टीम के खिलाफ पहले ही मैच में जीत के लिए अपनी टीम की प्रशंसा की है। हुसैन ने कहा कि कप्तान बेन स्टोक्स की टीम ने दिखाया है कि वह एक शीर्ष टीम है जिससे किसी को उलझने और कम समझने की गलती नहीं करनी चाहिये। पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने वापसी करते हुए भारत को 28 रन से हराया जबकि पहली पारी में भारतीय टीम को 190 रनों की बढ़त मिली हुई थी।

इस पूर्व कप्तान के अनुसार उपकप्तान ओली पोप के 196 रनों से मैच में उनकी टीम हावी हो गयी। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 231 रनों का लक्ष्य मिला था पर भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 202 रन पर ही बना पायी।

इस जीत से इंग्लैंड की टीम को सीरीज में बढ़त भी मिल गई है , जिससे भी उसका हौंसला बढ़ा है। इससे ये भी साबित हुआ है कि मेहमान टीम की बैजबॉल (आक्रामक) रणनीति भी भारतीय हालातों में काम कर गयी। हुसैन ने कहा, कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में टीम का सफर रोमांचक रहा है।

इससे पता चलता है कि उनमें काफी आत्मविश्वास है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं। उसमें उन्हें बहुत विश्वास है और वे चीजों को अपने तरीके से करते हैं। वे बाहरी बातों को लेकर चिंता नहीं करते हैं। मुझे इस टीम में जो बात पसंद है, वह है, उसका जुनून। यदि आप उन पर संदेह करते हैं तो वे और खतरनाक होकर सामने आते हैं। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी बात है क्योंकि यदि आप लगातार बाहरी बातों को सुन रहे हैं, तो आप अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं जबकि कोच और कप्तान जानते हैं कि वे क्या चाहते हैं। वे उस पर कायम रहेंगे और टीम का समर्थन करते रहेंगे।

हार से निराश कमिंस बोले, हम बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे ओर अंतिम टेस्ट में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया। कमिंस ने कहा कि हार से वह दुखी हैं पर यह एक अच्छा मैच था। यह अच्छी सीरीज रही। साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज के युवा तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह बिल्कुल जबरदस्त थी, बदकिस्मती से हम उतना बेहतर नहीं कर पाये। हम जीत को तय मान रहे थे हमने कल उन्हें 216 रन के लक्ष्य तक रोककर अच्छा प्रदर्शन किया। इससे हमें लगा कि जीत के लिए हमारे पास अवसर है। स्टीव स्मिथ ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमें लक्ष्य के करीब ला दिया था। साथ ही कहा कि हमारे लिए स्मिथ शानदार थे, उन्होंने हमें लगभग जीत दिला ही दी थी। साथ ही कहा कि आप सोचते हैं कि आप दुनिया में शीर्ष पर हैं, यह आपको नीचे खींच लेता है इससे मुझे लगता है कि यह खेल आपको जल्दी ही विनम्र बना देता है, जैसे ही आप सोचते हैं कि आप दुनिया के शीर्ष पर हैं, यह आपको नीचे खींच लेता है और आप शून्य से शुरुआत करते हैं। कमिंस ने साथ ही वेस्टइंडीज ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने वास्तव में अच्छा खेलकर सीरीज बराबरी पर ला दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर समझ नहीं आ रहा कि कौन-सा करवाएं। घर पर कोई बताने वाला भी नहीं है। हम है न! हम बताते हैं कि इस साल कौन-सा हेयरकट हिट रहेगा?

हेयरकट हिट जलवा फिट

मम्मा की पसंद का हेयरकट बहुत करवा लिया। कैटरीना, करीना और प्रियंका चोपड़ा जैसा हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर मम्मा है कि समझती नहीं हैं। उन्हें लगता है कि तुम पढ़ाई में कम और फैशन में ज्यादा ध्यान देने लगी हो। अब ये बात उन्हें कौन समझाए कि हेयरकट करवाने से तुम कितनी स्मार्ट दिखोगी। सब तारीफ करेंगे तुम्हारी और ये सब मम्मा को अच्छा लगेगा ही। जल्दी से मम्मा को मनाओ कि तुम अपना हेयरकट करवाना चाहती हो, ताकि सब उनसे तुम्हारी तारीफ कर सकें। लेकिन, 2010 के ट्रेंड को ध्यान में रखकर ही हेयरकट करवाना।

एक्स्ट्रा शॉर्ट ब्लॉन्ड: तुम्हारे बाल पतले और हल्के हैं, तो तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा, क्योंकि घने बालों पर ही थोड़े लंबे हेयरकट अच्छे लगते हैं, लेकिन इस तरह का हेयरकट हार्ट शेप या ओवल शेप वाले चेहरे पर ही अच्छा लगता है। ये हेयरकट आसानी से कैरी हो जाते हैं। इन्हें आप रोज शैंपू कर सकते हैं। अब मौसम बदल रहा है। एकाध महीने में गर्मियां भी आ जाएंगी। उसके बाद तो मन करेगा कि रोज बाल धोएं। तुम्हारे बालों की क्वालिटी कुछ ऐसी ही है, तो फटाफट अपना हेयरकट करवा डालो।

बॉब कट : प्रियंका चोपड़ा तो तुम्हें जरूर पसंद होगी। उसका फिगर और हेयरकट है ही बड़ा कमाल का। प्रियंका ने प्यार इंपॉसिबल के लिए जो हेयरकट करवाया है, वो यही तो है। छोटे-छोटे बाल कानों तक। अगर तुम्हारा फिगर भी कुछ ऐसा ही है, तो यकीनन तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा। कर्ली और वेवी बालों पर भी बॉब कट सूट करता है। इस हेयरकट की सबसे अच्छी बात यह है कि सब तरह के फेसकट पर सूट करता है।

बैंग्स: बैंग्स सुनने में बड़ा अटपटा लगता है, पर है वही पुराना साधना कट जैसा। कुछ-कुछ वैसा ही दिखता है। आगे की तरफ गिरे हुए बाल। कैटरीना कैफ आजकल बैंग्स हेयरकट में दिखती है। पता है, इस हेयरकट में तुम बार्बी डॉल जैसी दिखोगी। लेकिन किसी ऐरू-गेरू पॉर्लर से ये हेयरकट मत करवाना। किसी ढंग के पार्लर में जाकर ही हेयरकट करवाना। उन्हें पता रहता है कि बाल कैसे काटने हैं। थोड़ा खर्च होगा पर तुम्हारे दोस्त कम से कम तुम्हारी हंसी नहीं उड़ाएंगे।

पिक्सी: शॉर्ट हेयरस्टाइल में पिक्सी सबसे ट्रेंडी हेयरकट है, लेकिन ये पतले चेहरे पर ही अच्छा लगते हैं। इसे मैंटेन करना भी आसान है। पिक्सी में चॉपी और शैगी दो ऑप्शन हैं। पिक्सी हेयरकट पीछे से छोटे और आगे से थोड़े गिरे हुए होते हैं। ये हेयरकट सबसे ज्यादा ट्रेंडी और मॉडर्न लुक देता है। तुम्हारे बाल अगर बढ़ते नहीं हैं, तो आंख मूंदकर ये हेयरकट करवा लो। इसी बहाने थोड़ी स्टाइलिश दिखोगी।

बन हेयरस्टाइल: बन बनाने के लिए टाइम चाहिए होता है। दीपिका पादुकोण अक्सर साड़ी में इसी हेयर स्टाइल के साथ दिख चुकी है। बन थोड़े लंबे बालों में ही बन पाता है। बाल कम से कम कंधों तक तो हों, वरना बन बनाने में असुविधा होती है। अगर तुम हेयरकट नहीं करवाना चाहती और फैमिली की शादी में तुम्हें स्टाइलिश भी दिखना है, तो इसी हेयरस्टाइल में वहां जाना।

सेडू हेयरस्टाइल: सेडू यानी सिडक्टिव हेयरकट। थोड़े लंबे और चमकदार बालों में ही सेडू हेयरकट बनता है। सेडू हेयरस्टाइल में हर तरह के कर्ली और वेवी बालों पर सूट करते हैं। तुम्हारे बाल लंबे, चमकदार और स्ट्रेट हैं, तो तुम इस हेयरस्टाइल में स्मार्ट दिखोगी। फ्रिंज हेयरकट तुम अपने चौड़े माथे से परेशान हो और कुछ करवाना चाहती हो, ताकि तुम्हारा माथा छिप सके। फिर हम तुम्हें यह हेयरकट रखने की सलाह देंगे, क्योंकि इससे तुम्हारा चौड़ा माथा छुप जाएगा। हॉलीवुड अभिनेत्री कैट मॉस यही हेयरकट रखती हैं।

घर संभालने की कला

दोस्तों घर का हिसाब-किताब करना हो या रिश्तेदारी निभाना, घरेलू मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी तो महिलाओं पर ही रहती है। अक्सर पुरुषों को इन मामलों में फिसड्डी ही समझा जाता है, लेकिन कुछ समय पहले हुए एक शोध के मुताबिक कहानी कुछ और ही है। कैलिफोर्निया में हुए इस शोध का कहना है कि अगर पुरुषों को मौका दिया जाए तो वे एक अच्छे होम मेकर साबित हो सकते हैं। तकरीबन 350 महिलाओं और पुरुषों पर किए गए इस अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि अगर एक बार उन्हें घर संभालने की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे उसे काफी अच्छे तरीके से निभाना पंसद करते हैं।

इस रिसर्च के मुख्य शोधकर्ता जेड विडसन आंकड़ों को आधार बनाकर बताते हैं कि करीब 71 फीसदी पुरुष अपनी तनख्वाह के मुताबिक ही खर्च करते हैं, जबकि 53 प्रतिशत महिलाएं क्षमता से ज्यादा। लगभग 73 प्रतिशत पुरुष अपने आमदनी के हिसाब से शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड्स, जीवन बीमा व अन्य बचत योजनाओं आदि पर निवेश करने पर प्राथमिकता देते हैं, जबकि केवल 4 फीसदी महिलाएं ही निवेश के बारे में गहरी जानकारी रखती हैं। अब आप कहेंगे कि केवल बचत करने से क्या, उन्हें खाना बनाना भी तो आना चाहिए, लेकिन हम आपको बताते चलें कि अमूमन पुरुष 'मुझे तो खाना बनाना आता ही नहीं' कहकर काम से बचकर निकल जाते हैं। लेकिन अगर एक बार पुरुष पाक कला सीख जाएं तो वह उसमें भी एक्सपर्ट हो जाते हैं। यकीन नहीं आया न, जरा आस-पास नजर दौड़ाइए, आपको सबसे बेहतरीन शेफ पुरुष ही मिलेंगे।

हैंडबैग महिलाओं के लुक को न केवल विशेष बनाता है, बल्कि व्यक्तित्व को उभारता भी है। मौजूदा दौर में हैंडबैग महिलाओं का आवश्यक साथी बन चुका है। हैंडबैग व पर्स का रंग व आकार यदि जूतों, कद काठी व वस्त्रों से मेल खाता हुआ हो तो बात कुछ खास हो जाती है।

पर्सनैलिटी के अनुसार हो हैंडबैग

आम तौर पर सफेद, काल, मैरून, भूरे, सिल्वर व सुनहरी हैंडबैग लगभग सभी पोषकों से मैच कर जाते हैं। अवसर के मुताबिक औपचारिक समारोह में जाते समय या खरीदारी करते समय और नौकरी पर जाते समय आवश्यकतानुसार चीजें भरकर अलग-अलग हैंडबैग का प्रयोग करना चाहिए।

- कॉलेज व ऑफिस जाने वाली युवतियों को खुशनुमा आधुनिक डिजाइन के जूट, कपड़े, रेक्सिन या चमड़े के कमर तक लटकने वाले हैंडबैग काम में लाने चाहिए।
- अध्यापन व प्रशासनिक दायित्वों से जुड़ी महिलाओं को सिम्पल डिजाइन का एकरंगा हैंडबैग व पर्स लेना चाहिए।
- दुबली, पतली छोटे कद की महिलाओं को चौड़े स्टैप वाले बड़े आकार के चपटे हैंडबैग का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन पर हल्के-फुल्के स्टेप वाले गोलाकार या पंचकोणनुमा शेप के हैंडबैग खूब फबते हैं।
- नाटी व मोटी महिलाओं को भी बहुत बड़े या छोटे हैंडबैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन्हें कमर से लटकने वाले हैंडबैंग की बजाय हैण्डिल वाले मध्यम आकार के हैंडबैग काम में लेने चाहिए।
- लम्बे कद की महिलाओं पर थोड़े बड़े लटकने वाले हैंडबैंग फबते हैं। शादी व स्वागत समारोह जैसे मांगलिक अवसरों पर पोशाक से मेल खाते मखमल या शनील के पर्स बहुत अच्छे लगते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

चमचमाते साफ-सुथरे हैंडबैग जहां सुरुचिपूर्ण व्यक्तित्व के परिचायक हैं, वहीं बेडौल शेप के उखड़ी जिप वाले, बेकार सामान से भरे हैंडबैग फूहड़ व्यक्तित्व की चुगली खाते नजर आते हैं।

- इससे बचने हेतु अनावश्यक चीजें हैंडबैग में न रखें। इससे जिप व तनियों, स्ट्रेपसद्ध पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और वे जल्दी खराब हो जाते हैं। फालतू चीजें भरी रहने से चीजें भी तुरंत मिल नहीं पाती।
- बरसात के दिनों में चमड़े व हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी की नमी से ये बेडौल हो जाते हैं और इनमें फफूंद लग जाती है। हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए।
- अधिक समय तक जब पर्स का प्रयोग न करना हो तो उसमें कागज भर कर रखें, ताकि आकार ठीक बना रहे। इन्हें बच्चों व फालतू जानवरों को खेलने के लिये देना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इनके खराब होने का डर बना रहता है।

प्रारंभ में जब महिलाएं गर्वभती होती थी तब उनका एक ही काम था, अपना व अपने बच्चे का ख्याल रखना और उनका करियर का वही खत्म हो जाना, पर अब महिलाओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है जिससे वे अपना व करियर दोनो को संभाल सकती है।

समझे अपने आपको

कामकाजी महिलाओं को दिन में ऑफिस और रात को घर का काम ये दोनो के मध्य अपना भी ध्यान रखना काफी मुश्किल भरा होता है। आम तौर पर महिलाओं को कुछ ऐसे तकलीफें से गुजरती है जो एक गर्वभती महिला ही समझ सकती है, तो ऐसे मे वे स्वंय अपना ख्याल रखें।

सही समय पर सही काम

कामकाजी गर्वभती महिलाओं को अपने कामो का शेड्यूल बनना चाहिऐ ताकि उनके सारे काम सही समय पर हो सके। घर व ऑफिस का टाइम दोनो को ऐसा संतुलन को बनाए रखना चाहिएं की जिससे किसी भी काम को देरी न हो।

न लें टेंशन

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने आपको कूल रखना होता है, इससे डिलिवरी होते समय किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आती, इसके साथ आपको योगा, मसाज, वॉक आदि को अपनाते रहना चाहिए ताकि आपका आने वाला बच्चा स्वस्थ हो।

ऐसा भी करें

- हेल्दी फूड समय-समय पर लेते रहे।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करती रहे।
- समय-समय पर चेकअप कराते रहना चाहिए।
- एक्सपर्ट की सलाह लें।
- आराम दिलाने वाले तरीकों को अपनाएं

हर महिला को सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब वो मां बनती है, पर कामकाजी महिलाओं के लिए ये खुशी कुछ हद तक मायने रखती है क्यों कि उन्हे इसके लिए अपना करियर को छोड़ना पड़ सकता है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं।

आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बर्फ में तब्दील हुआ तालाब तो मगरमच्छ भी जम गया, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

कैरोलिना । जानवर भी खुद को विपरीत परिस्थितियों में जिंदा रखने के लिए भरसक कोशिश करते हैं। ऐसा ही एक वीडयो खूब देखा जा रहा है जिसमें एक मगरमच्छ अपने आप को बर्फीले तालाब में जिंदा रखने की कोशिश कर रहा है। जमे हुए बर्फीले पानी में खुद को जीवित रखने के लिए जुगाड़ लगाते एक घड़ियाल का यह वीडियो देख हर कोई हैरान है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे घड़ियाल ठंडे तापमान में अपनी एनर्जी बचाते हैं। फुटेज में घड़ियाल को दम घुटने से बचने के लिए जमे हुए तालाब की बर्फ से अपनी नाक को बाहर करते हुए देखा जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार घड़ियाल को अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में ओशन आइल बीच के पास एक पर्यटक आकर्षण और मगरमच्छ अभयारण्य, स्वैम्प पार्क में विशाल तालाब के आकार के बर्फ के टुकड़ों के अंदर जमा हुआ देखा गया था। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, बस यह जानने की प्रवृत्ति अद्भुत है। दूसरे ने लिखा, यह आश्चर्यजनक है, मैंने पहले सोचा कि यह मर चुका है। तीसरे ने लिखा, यह वास्तव में अच्छा है! मैंने आज कुछ नया सीखा। गौरतलब है कि मगरमच्छ अपने तापमान को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, इसलिए वे बर्फीले हालात में ब्रूमेशन की स्थिति में जाकर जीवित रहते हैं। दरअसल यह प्रक्रिया स्तनधारियों, गर्म रक्त वाले जानवरों के हाइबरनेट के समान है। हाइबरनेशन के दौरान, एक जानवर की हृदय गति और सांस धीमी हो जाती है और उनके शरीर का तापमान काफी कम हो जाता है जिससे उन्हें कम ऊर्जा खर्च करने में मदद मिलती है। मगरमच्छों के मामले में जब बर्फ के क्रिस्टल बनने लगते हैं, तो उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और उनका थका हुआ शरीर धीरे-धीरे आंखें बंद करके जमे हुए पानी में लटक जाता है। स्वैम्प पार्क के प्रवक्ता ने कहा, वे सहज रूप से अपनी नाक ऊपर की ओर उठाते हैं ताकि उनका दम घुटने से बच जाए, और वे सांस ले सकें।

2 साल के बच्चे ने कर दिया कमाल....माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप पहुंचा

ग्वासगो । 2 साल की उम्र में बच्चे चलना-भागना सीखते हैं, लेकिन स्कॉटलैंड के एक बच्चे ने इसी उम्र में ऐसा रिकॉर्ड बना डाला कि जो इतिहास में आज तक कोई नहीं कर पाया। इस छोटी सी उम्र में ही वह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचने वाला बच्चा बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 2 साल का कार्टर डलास अपनी मां जेड और पिता रॉस की पीठ पर बैठकर यह सफर पूरा किया। ग्वासगो के रहने वाले रॉस और 31 वर्षीय जेड एक साल के लिए एशिया की यात्रा पर निकले हुए हैं। बच्चे को भी साथ लेकर ट्रैवल कर रहे हैं। तीनों ने 25 अक्टूबर को नेपाल में समुद्र तल से 17,598 फीट की ऊंचाई पर स्थित दक्षिणी स्थल पर चढ़ाई की और बेस कैंप तक पहुंच गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड चेक गणराज्य के एक चार वर्षीय बच्चे के नाम था।

कार्टर हमसे ज्यादा उत्साहित

रॉस ने कहा, कार्टर हमसे ज्यादा उत्साहित लग रहा था। मुझे और जेड को थोड़ी ऊंचाई सांस लेने में तकलीफ हुई लेकिन वह बिल्कुल ठीक था। बेस कैंप से पहले गांवों में दो डॉक्टर तैनात थे। उन्होंने हमारा ब्लड टेस्ट किया। उसका भी ब्लड टेस्ट किया, लेकिन वह हमारे मुकाबले ज्यादा स्वस्थ था। मेरे लिए यह भावुक कर देने वाला पल है। 35 वर्षीय रॉस ने कहा, काठमांडू पहुंचने के 24 घंटों के भीतर हमने चढ़ाई शुरू कर दी थी। हम पहले से अच्छी तरह से तैयार थे। नियमित रूप से लंबी सांस लेने की तकनीक का अभ्यास कर रहे थे। हम खुद बर्फ के पानी से नहाते ही थे, कार्टर को भी इसी पानी स्नान कराते थे, ताकि बेस कैंप पर कोई दिक्कत न आए। रॉस और जेड के साथ एक ट्रेनर भी था। रॉस ने कार्टर को पीठ पर बांधकर ट्रैकिंग पूरी की। रॉस ने कहा, मेरा मकसद अपने बच्चे को दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों से रूबरू करवाना है। वह भाषाएं सीख रहा है और एक बेहतर इंसान बनने की प्रक्रिया में है। हमारे लिए यह देखना काफी सुखद है।

सीरिया-जॉर्डन सीमा पर अमेरिकी सेना पर हमला, इस संगठन ने ली जिम्मेदारी

बगदाद। इराक में ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन इस्लामिक प्रतिरोध ने सीरिया-जॉर्डन सीमा पर अमेरिकी सेना पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। आतंकवादी संगठन ने कहा कि इसतरह के हमले लगातार जारी रहने वाले है। गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ जायेनिस्ट इकाई के नरसंहार के जवाब में इराक में इस्लामी प्रतिरोध के मुजाहिद्दीनों ने आज सुबह हमला किया। यह हमला सीरिया स्थित तीन जगह अल शहादी बेस, अल रुकवान बेस और अल तनफ बेस पर किया गया। इसके अलावा फिलिस्तीनी क्षेत्र के अंदर एक चौथे बेस पर भी हमला किया गया। आतंकवादी संगठन का दावा है कि हमले में ड्रोन का उपयोग किया और यह हमला इराक सहित अन्य जगहों पर अमेरिकी कब्जे वाली ताकतों का विरोध करने का लिए किया गया। बता दें कि सीरिया जॉर्डन सीमा पर हुए हमले में तीन अमेरिकी सेवा के जवान मारे गए थे जबकि 34 अन्य लोग घायल हुए थे।

ग्रामीण इलाके में छोटा विमान क्रेश होने से पांच की मौत

साओ पाउलो। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में मिनस गेरैस राज्य के ग्रामीण इलाके इतापेवा में एक छोटा विमान क्रेश होने से पांच लोगों की मौत के समाचार मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार यहां रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राज्य के अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी है। विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चला है कि विमान में दो अन्य लोग भी सवार थे, लेकिन उनका अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जमीन पर गिरने से पहले विमान में हवा में ही भारी विस्फोट हो गया था। यहां के निवासियों के अनुसार दुर्घटना स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 :30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि उस समय उस क्षेत्र में तेज बारिश और हवा के साथ तूफान का प्रकोप बरकरार था।

48 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने 350 फिलिस्तीनियों की जान ली

गाजा। गाजा में हमास द्वारा संचालित सरकार ने दावा किया है कि इजरायली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में पिछले 48 घंटों में कम से कम 350 फिलिस्तीनियों को मार डाला है। रविवार को जारी किए गए बयान में कहा गया कि चिकित्सा दल की टीमें सड़कों पर बिखरे हुए कई शवों तक पहुंचने में असमर्थ थीं। बयान में कहा गया कि स्थानीय निवासियों को मृतकों को शहर के नासिर अस्पताल के प्रांगण में दफनाना पड़ा, क्योंकि वे उन्हें खान यूनिस कब्रिस्तान में नहीं ले जा सकते थे। इस बीच, हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इजरायली सेना द्वारा नाकाबंदी के कारण नासिर अस्पताल चिकित्सा कचरे से भर गया है। मंत्रालय ने कहा कि एन्क्लेव में कम से कम 7,000 घायल और बीमार लोगों को जीवन रक्षक उपचार की तत्काल आवश्यकता है। इधर फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में इजरायली बलों द्वारा जारी घेराबंदी के बीच खान यूनिस के अल-अमल अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के बारे में जानकारी दी है। जिससे अस्पताल में चिकित्सा टीमों के लिए सर्जिकल ऑपरेशन करना मुश्किल हो गया है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सात अक्टूबर 2023 को शुरू होने के बाद से इज़रायल और हमास के बीच महीनों तक चले संघर्ष के कारण गाजा में फिलिस्तीनी लोगों की मृत्यु 26,422 हो गई है, जबकि 65,087 घायल हुए है।

मुगेसेरा नदी में नाव डूबने से सोलह लोगों की मौत

नगोमा। नगोमा जिले के रुकुम्बरी सेक्टर में मुगेसेरा नदी में एक नाव डूबने से सोलह लोगों की मौत हो गई है। बचाव दल के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार यह दुर्घटना शुक्रवार शाम रवामागाना जिले में मुगेसेरा नदी पर हुई।

काबुल के पगमान इलाके में बर्फबारी का एक दृश्य।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने दी अमेरिकी सीमा पर बड़े आतंकी हमले की चेतावनी

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोलाल्ड ट्रंप ने देश की सीमाओं पर बड़े आतंकी हमले की चेतावनी दी है। उन्होंने लिखा तीन साल पहले तक हमारी सीमाएं अमेरिका के इतिहास में सबसे मजबूत और सुरक्षित थीं। आज तबाही का इंतजार हो रहा है। यह दुनिया के इतिहास की सबसे खराब सीमाएं हैं और यह हमारे देश के लिए खुले घाव जैसी हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने आशंका जताई है कि अमेरिका में सीमा के नजदीक बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर को लेकर हो रही डील तबाही ला सकती है। उन्होंने अमेरिका के दक्षिणी बॉर्डर को दुनिया के इतिहास में सबसे बुरा बताया और आशंका जताई कि अमेरिका में बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर साझा किए पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि पूरी दुनिया के आतंकी हमारे देश में बिना किसी जांच के घुस रहे हैं। 100 प्रतिशत आशंका है कि अमेरिका में सीमा के नजदीक कोई बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन यूएस-मैक्सिको बॉर्डर पर अमेरिकी संसद में समझौते की बात कर रहे हैं। वहीं ट्रंप रिपबल्किन पार्टी के सांसदों से अपील कर रहे हैं कि वह किसी भी डील में शामिल न हों। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि एक बुरी डील से अच्छा है कि कोई डील ही न हो। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में अवैध रूप से आ रहे शरणार्थियों के मुद्दे पर जो बाइडन को घेर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भी अवैध शरणार्थियों का मुद्दा सबसे अहम होगा। यही वजह है कि ट्रंप इस मुद्दे पर जो बाइडन की सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते। हालां ?कि बाइडन भी इस बात को जानते हैं, तभी उन्होंने अपने एक बयान में एलान किया है कि अगर कांग्रेस समझौते करती है तो वह यूएस-मैक्सिको बॉर्डर को पूरी तरह से बंद कर देंगे।

ड्रोन हमलों के बाद ईरान-पाकिस्तान एक साथ बैठकर सुलझाएंगे मसले

-बढ़ते तनाव को कम करने विदेश मंत्री हुसैन पहुंचे पाकिस्तान, पीएम से करेंगे मुलाकात

करांची (एजेंसी)। ईरान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने अब दोनों देश एक साथ बैठकर मसला सुलझाने जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार ईरान के विदेश मंत्री हुसैन पाकिस्तान पहुंच गए हैं। वे वहां कार्यवाहक प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। ड्रोन हमलों के बाद यह पहली महत्वपूर्ण मुलाकात है और दोनों देश आज संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कर सकते हैं।पाकिस्तान और ईरान के बीच हुए ड्रोन हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता चला जा रहा था और दोनों देशों ने अपने-अपने देश के राजदूतों को भी काम पर ना भेजने का फैसला किया था। इस बीच दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर दो बार बातचीत थी और इसके बाद पाकिस्तान ने ईरान के विदेश मंत्री को अपने यहां आने का निमंत्रण दिया, जिसके बाद ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन पाकिस्तान पहुंच चुके हैं। ईरान के विदेश मंत्री वहां पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम के अलावा जलील अब्बास जिलानी से भी बातचीत करेंगे।

कहा जा रहा है कि बैठक के बाद दोनों देशों के द्वारा एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जा सकती है, जिसमें दोनों देश के बीच तनाव घटाने समेत कुछ महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है। बता दें कि पाकिस्तान ने ईरान में अपने नौ नागरिकों की निर्मम हत्या की व्यापक जांच कराने की मांग की है। सीमा पार से एक-दूसरे के खिलाफ गोलाबारी के बाद दोनों देशों के बीच आए तनाव के कुछ दिनों बाद यह घटना हुई थी। पाकिस्तान की सीमा से सटे ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को अज्ञात हमलावरों ने नौ पाकिस्तानी श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी और तीन अन्य को घायल कर दिया था।

ईरान के मीडिया में आई खबरों के अनुसार प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सरवन शहर के पास स्थित सिरकन में एक घर में नौ गैर-ईरानी लोगों की हत्या कर दी। हालांकि किसी भी समूह या व्यक्ति ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने हमले की व्यापक जांच और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित मुकदमा चलाने की मांग की है। इधर विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और घटना की तुरंत जांच कर अपराधियों को जिम्मेदार ठहराने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होकर मैनचिन बिगाड़ सकते हैं ट्रंप-बाइडेन का खेल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक और नया नाम सीनेटर जो मैनचिन का उभर कर सामने आया है। चुनाव को लेकर सीनेटर जो मैनचिन ने कहा कि वो बिल्कुल खुद को राष्ट्रपति के रूप में देख सकते हैं। वेस्ट वर्जीनिया डेमोक्रेट कैरोलिना और जॉर्जिया जैसे राज्यों में अपनी यात्रा के दौरान कहा कि उनका मानना है कि उनकी एक राष्ट्रीय महत्व की भूमिका है। मैनचिन बाइडेन के साथ एक बैठक भी करने वाले हैं, ताकि वो राष्ट्रपति से उनके प्रचार के तरीके को बदलने की अपील कर सकें।

बता दें कि मैनचिन व्हाइट हाउस में ट्रंप की वापसी की संभावना को हर उस व्यक्ति के लिए बहुत चिंताजनक बतातें है जो देश से प्यार करता है। इस बीच, मैनचिन में बाइडेन के एजेंडे को उलटने की तीन साल की थकावट ने राष्ट्रपति और शीर्ष सहयोगियों को दूरी बनाए रखने के लिए मजबूर कर दिया है, वे सीधे उनके पास जाकर उन्हें नाराज करने का जोखिम उठाए बिना यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वह क्या कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि मैनचिन अंततः स्वतंत्र चुनाव के खिलाफ खुद ही निर्णय लेंगे। लेकिन वे जानते हैं कि काउंटी की यात्रा कर रहे एक डेमोक्रेटिक सीनेटर ने चेतावनी दी है कि बाइडेन को राजनीतिक वामपंथ की ओर बहुत दूर खींच लिया गया है।

इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से घबराए शी जिनपिंग

- चीन-फ्रांस संबंधों की देने लगे हैं दुहाई

बीजिंग (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से चीन कुछ घबराया हुआ लग रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अब चीन-फ्रांस संबंधों की दुहाई देने लगे हैं। उन्होंने इसे लेकर नई जमीन तैयार करने की पेशकश की है। दरअसल, मैक्रों की भारत के 75वें गणतंत्र दिवस पर ऐसे वक्त चीफ गेस्ट के तौर पर नई दिल्ली पहुंचे जब चीन और फ्रांस अपने कूटनीतिक रिश्ते की 60वीं एनिवर्सरी मना रहे हैं। राष्ट्रपति जिनपिंग ने अपने मैसेज में कहा कि आज फिर से दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। ऐसे में चीन और फ्रांस को मिलकर शांति, सुरक्षा, भाईचारे और प्रगति के लिए रास्ता तैयार करना चाहिए। मानव विकास के लिए यह जरूरी है। शी जिनपिंग ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को मजूबत करने पर जोर देता है। वह मैक्रों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। वह राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ को बुनियादी सिद्धांतों को बनाए रखने, नई जमीन तलाशने और नया रास्ता खोलने के अवसर के रूप में देखते हैं। चीन और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूती देनी है। विदेश मंत्री वांग यी का भी इस मौके पर बयान आया। उन्होंने कहा कि चीन ने अपने यहां फ्रांस से आयात बढ़ाने की पेशकश की है। हम उपभोक्ता और निवेश बाजार की मांग को पूरा करना जारी रखेंगे। फ्रांस से हाई क्वालिटी वाले प्रोडक्ट और सर्विस के आयात बढ़ावा दिया जाएगा। गौरतलब है कि चीनी आलाकमान की ओर से फ्रांस के साथ रिश्ते मजबूत करने की बातें ऐसे समय हो रही हैं, जब मैक्रों ने भारत से कई अहम समझौते किए हैं। नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच लंबी बातचीत हुई। इसके बाद दोनों देशों ने सैन्य साजोसामान साथ मिलकर महत्वाकांक्षी औद्योगिक रोडमैप जारी किया।

गाजा में नरसंहार पर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट गंभीर, युद्धविराम की बताई जरूरत

न्यूयार्क (एजेंसी)। गाजा में चल रहे संघर्ष को लेकर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट गंभीर है। उसने यहां पर युद्धविराम की जरूरत बताई है। दरअसल इजराइल फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार को दक्षिण अफ्रीका ने उठाया था। इस महीने की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में 17 न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा इस मामले को सुना गया था। 26 जनवरी को विश्व अदालत ने इज़राइल को नरसंहार के कृत्यों को रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय करने का निर्देश दिया, हालांकि, पूर्ण युद्धविराम का आह्वान करने से रोक दिया। इज़राइल के इस तर्क को खारिज करते हुए कि अदालत के पास अंतरिम उपायों का आदेश देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। ये फैसले ऐसे समय में आए हैं जब युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय मांगें बढ़ रही हैं, जिससे हाल के हफ्तों में इजरायल और उसके अमेरिकी समर्थकों पर दबाव बढ़ाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 11 और 12 जनवरी को दो दिवसीय सुनवाई के दौरान विश्व अदालत को बताया कि गाजा पट्टी में इज़राइल की कार्रवाई 1948 के नरसंहार सम्मेलन का उल्लंघन था, जिसमें इज़राइल एक पक्ष है।

इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के सरकारी वकीलों ने कहा कि इज़रायली नेताओं का इरादा गाजा में रहने वाले फ़िलिस्तीनियों के लिए मौत की स्थितियाँ पैदा करना था। इज़राइली अधिकारियों द्वारा वीडियो और सार्वजनिक बयान अदालत में प्रस्तुत किए गए, उनमें रक्षा मंत्री योव गैलेंट का अक्टूबर का बयान भी शामिल था कि इज़राइल इस क्षेत्र की पूर्ण घेराबंदी करेगा। उन्होंने कहा क्योंकि यह मानव जानवरों के साथ युद्ध में लगा हुआ थकि जबकि नरसंहार के आरोप को इजरायली वकीलों ने सिरे से खारिज कर दिया है। उसका दावा है कि देश की सेना ने अक्टूबर के अंत में आक्रमण से पहले नागरिकों को खाली करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया था। संघर्ष की शुरुआत में बंद होने के बाद इज़राइल ने सहायता वितरण शुरू कर दिया था। नागरिकों को नुकसान से बचाने के अपने प्रयास जारी रखे थे।

दक्षिण अफ्रीका द्वारा लाए गए नरसंहार के मामले में अदालत ने इजरायली नेताओं को कुछ और राहत की पेशकश की, जो दुनिया के सबसे कठिन संघर्षों में से एक है। अदालत के अध्यक्ष जोन ई. डोनॉग्यू ने यह स्वीकार करने से पहले कहा कि अदालत इस क्षेत्र में सामने आ रही मानवीय त्रासदी की सीमा से पूरी तरह अवगत है और जीवन की निरंतर हानि और मानवीय पीड़ा के बारे में गहराई से चिंतित है। इस फैसले ने इजराइल के युद्धकालीन आचरण की भारी भर्त्सना की। लगभग 4 महीने पुराने हमले को रोकने के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव को भी जोड़ा गया और बताया गया कि इसमें 26,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।

मंगल पर मंगल ही मंगल: नासा ने खोज निकाली 3 अरब साल पुरानी पानी से भरी झील

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। मंगल ग्रह को जानने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं। रिसर्च में सबसे बड़ी खोज मानव जीवन की तलाश है। पहली बार वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर प्राचीन झील होने का दावा किया है। इससे लाल ग्रह पर जीवन की संभावना बढ़ गई है। नासा द्वारा मार्श ग्रह पर भेजे गए रोवर द्वारा एकत्रित डेटा से लाल ग्रह पर प्राचीन झील तलछट की पुष्टि हुई। रोवर से प्राप्त डेटा के अनुसार वैज्ञानिकों ने प्राचीन झील की उम्र 3 अरब साल होने का अनुमान लगाया है। वैज्ञानिक भविष्य में पृथ्वी पर परिवहन के लिए पर्सीवेरेंस द्वारा एकत्र किए गए नमूनों में जेरेज़ो के तलछट की बारीकी से जांच करने के लिए उत्सुक हैं। यह रोवर मंगल पर फरवरी 2021 में जहां यह उतरा था, उसके करीब चार स्थानों पर पर्सिवियरेंस द्वारा ड्रिल किए गए प्रारंभिक कोर नमूनों के दूरस्थ विश्लेषण ने शोधकर्ताओं को उस चट्टान का खुलासा करके आश्चर्यचकित कर दिया, जो अपेक्षा के अनुरूप तलछटी के बजाय ज्वालामुखी प्रकृति की थी। दोनों अध्ययन विरोधाभासी नहीं हैं।

यहां तक कि ज्वालामुखीय चट्टानों में भी पानी के संपर्क में आने से बदलाव के संकेत मिले हैं और अगस्त 2022 में उन निष्कर्षों को प्रकाशित करने वाले वैज्ञानिकों ने तब तर्क दिया था कि जमी तलछटी नष्ट हो गई होगी।दरअसल, शुक्रवार को रिपोर्ट की गई रिमफैक्स राडार रीडिंग में क्रेटर के पश्चिमी किनारे पर पहचानी गई तलछटी परतों के निर्माण से पहले और बाद में कटाव के संकेत मिले, जो वहां के एक जटिल भूवैज्ञानिक इतिहास का सबूत है। वहां ज्वालामुखीय चट्टानें थीं जिन पर हम उतरे। पेगे ने कहा यहां वास्तविक खबर यह है कि अब हम डेल्टा की ओर बढ़ चुके हैं और अब हम इन झील के तलछटों के साक्ष्य देख रहे हैं, जो हमारे इस स्थान पर आने के मुख्य कारणों में से एक है। तो उस संबंध में यह एक सुखद कहानी है।

नवीनतम अध्ययन ने इस पुष्टि का स्वागत करते कहा है कि वैज्ञानिकों ने आखिरकार इस ग्रह पर सही जगह पर अपने भू-जैविक मंगल प्रयास को अंजाम दिया है। शुक्रवार को प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, नासा के रोवर पर्सिवियरेंस ने पानी द्वारा जमी प्राचीन झील तलछट के अस्तित्व की पुष्टि करने वाले डेटा एकत्र किए हैं, जो कभी मंगल ग्रह पर जेरेज़ो क्रेटर नामक एक विशाल बेसिन को भरते थे। रोबोटिक रोवर द्वारा किए गए ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार अवलोकनों के निष्कर्ष पिछले कक्षीय इमेजरी और अन्य डेटा की पुष्टि करते हैं, जिससे वैज्ञानिकों को यह सिद्धांत मिला है कि मंगल के ये हिस्से एक बार पानी से ढके हुए थे और वहां माइक्रोबियल जीवन हो सकता है। लॉस एंजिल्स में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीएलए) और ओस्लो विश्वविद्यालय की टीमों के नेतृत्व में किया गया शोध साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

रोवर ने किया मंगल के उपसतह का स्कैन

वर्ष 2022 में कई बार कार के आकार के छह-पहियों वाले रोवर ने मंगल ग्रह के उपसतह

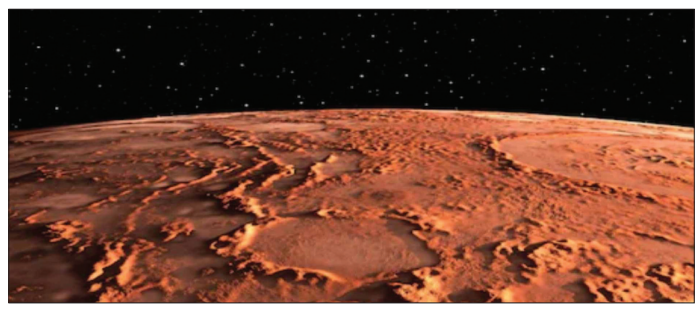

का स्कैन किया था। रोवर जब मंगल ग्रह की सतह के पार कक्षा से मिलते-जुलते, तलछटी जैसी विशेषताओं के आसन्न विस्तार पर क्रेटर अपना रास्ता बना रहा था। यह विश्लेषण उसी पर आधारित हे जो, पृथ्वी पर पाए जाने वाले नदी के डेल्टा जैसा है। यूसीएलए के पहले लेखक व ग्रह वैज्ञानिक डेविड पेज ने कहा, रोवर के रिमफैक्स राडार उपकरण की ध्वनि ने वैज्ञानिकों को 65 फीट (20 मीटर) गहरी चट्टान की परतों का क्रॉस-सेक्शनल दृश्य प्राप्त करने के लिए भूमिगत झाँकने की अनुमति दी, लगभग सड़क के कट जैसा दिखने वाली परतें इस बात का अचूक सबूत देती हैं कि पानी द्वारा लाई गई मिट्टी की तलछट जेरेज़ो क्रेटर और उसके डेल्टा में एक नदी से जमा हुई थी जो इसे पोषित करती थी। ठीक उसी तरह जैसे वे पृथ्वी पर झीलों में मौजूद हैं। निष्कर्षों ने उस बात को पुष्टि की है, जो पिछले अध्ययनों ने लंबे समय से सुझाई थी - कि ठंडा, शुष्क, बेजान मंगल ग्रह कभी गर्म, गीला और शायद रहने योग्य था।

सरकार बनते ही एक्शन में आई बीजेपी, चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

पटना। बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई में नई सरकार बनते ही बीजेपी एक्शन में आ गई है। बताया जा रहा है कि अब एनडीए की सरकार बनने के बाद आरजेडी के खिलाफ पहला एक्शन लिया गया है। मामला विधानसभा अध्यक्ष से जुड़ा बताया जा रहा है। दरअसल विधानसा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के लिये बीजेपी के नन्दकिशोर यादव सहित कई अन्य विधायकों ने विधानसभा सचिव को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भेजा है। माना जा रहा है कि इस्तीफा नहीं देने पर अवध बिहारी चौधरी को बहुमत से हटाने को तैयारी की जा रही है। बिहार में विधानसभा के दलगत स्थिति की बात करें तो एनडीए गठबंधन के पास कुल 128 विधायक हैं तो वहीं विपक्षी महागठबंधन के पास केवल 114 विधायक हैं। इस समय बिहार विधानसभाा के स्पीकर अवध बिहारी चौधरी हैं जो कि राजद कोटे से हैं। अब उनके खिलाफ 128 विधायकों के होने से उनका हटना तय माना जा रहा है।

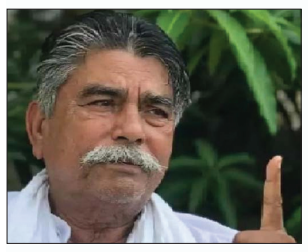

हरियाणा में अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी आप : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनकी पार्टी साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने बल पर हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि आप हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव इंडिया ब्लॉक पार्टियों के साथ गठबंधन में लड़ा जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि आम चुनाव के लिए हम गठबंधन सहयोगियों के साथ समझौता कर रहे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के लिए, हम अपने दम पर सभी 90 सीटों पर लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पूछा कि हरियाणा के दोनों तरफ, आप की सरकारें हैं। मुझे विश्वास है कि हम सरकार बनाएंगे। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है। केजरीवाल की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है कि आप विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। 2019 के चुनावों में भाजपा ने 40 सीटें जीती और कांग्रेस ने 31 सीटें जीतीं। दुष्यंत चौटाला द्वारा स्थापित जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने 10 सीटें जीतीं और सरकार बनाने के लिए भाजपा का समर्थन किया। 2019 के चुनाव में सात निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की।

हर साल गणतंत्र दिवस के बाद मनाई जाती है बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस के बाद हर साल 29 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट समारोह होता है। इसी के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का औपचारिक समापन किया जाता है। बता दें इस कार्यक्रम में थल सेना, वायुसेना और नौसेना का बैंड ट्रेडिशनल बीट के साथ मार्च करते हैं और राष्ट्रपति को नेशनल सैल्यूट दिया जाता है। यहां पर सवाल ये भी आता है कि हर साल गणतंत्र दिवस के बाद ही बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी क्यों मनाई जाती है दरअसल गणतंत्र दिवस के समापन समारोह को ही बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी कहा जाता है। एक तरह से बीटिंग रिट्रीट सेना का अपने बैरक में लौटने का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसा माना जाता है, जब शाम के वक्त सेनाएं युद्ध समाप्त करके लौटती थी और युद्ध के मैदान से वापस आने के बाद अपने अस्त्र-शस्त्र उतार कर रखती थी। इस दौरान झंडे नीचे उतार दिए जाते थे और इस प्रक्रिया को ही बीटिंग रिट्रीट कहते हैं। बीटिंग द रिट्रीट की शुरुआत 17वीं शताब्दी में इंग्लैंड से हुई थी। तब इंग्लैंड के किंग जेम्स सेंकड ने अपने सैनिकों को ड्रम बजाने, झंडे डाउन करने और जंग खत्म होने के बाद की घोषणा करने के लिए एक परेड आयोजित करने का आदेश दिया था। उस समय इस सेरेमनी को वॉच सेटिंग कहा जाता था। हम बता दें कि भारत में रीट्रीट सेरेमोनी की शुरुआत 1950 के दशक में शुरू हुई थी। तभी से इसे बीटिंग रीट्रीट कहा जाने लगा है। तब भारतीय सेना के मेजर रॉबर्ट ने इस कार्यक्रम को सेनाओं के बैंड के साथ इसका प्रदर्शन किया था जिसें राष्ट्रपति मुख्य अतिथि और उनके साथ ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और उनके पति प्रिंस फिलिप देश की आजादी के बाद पहली भारत यात्रा पर आए थे। उस दौरान वे अथिति के तौर पर यहां कार्यक्रम में शामिल हुए थे। तभी से यह परंपरा गणतंत्र दिवस समारोह का अभिन्न हिस्सा बन गई, जो निरंतर जारी है।

सरकार को हिंदू विरोधी दिखाने की कोशिश गलत, कार्यक्रम पर नहीं लगाई रोक

-राम मंदिर प्रसारण पर कथित रोक पर तमिलनाडु पुलिस ने दिया हलफनामा

नई दिल्ली। तमिलनाडु में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के प्रसारण पर कथित रोक को लेकर डीजीपी ने स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को हिंदू विरोधी दिखाने की कोशिश की गई, जबकि यहां मंदिरों में प्रसारण को लेकर कोई रोकटोक नहीं की गई थी। इस मामले में पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा भी दायर किया है। अपने हलफनामे में तमिलनाडु पुलिस के डीजीपी ने कहा है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर राज्य के कई मंदिरों में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ था। पुलिस ने हलफनामे में तमिलनाडु भाजपा के दावों को भी गलत बताया और कहा कि सरकार को हिंदू विरोधी दिखाने की कोशिश की गई, लेकिन ये गलत है। डीजीपी ने बताया कि लाइव प्रसारण के साथ ही राज्य के कई मंदिरों में पूजा-अर्चना भी हुई थी और उस दौरान पुलिस या राज्य सरकार द्वारा कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया था। तमिलनाडु के सीएम ने मौखिक तौर पर कार्यक्रम के प्रसारण पर रोक लगाई थी, यह आरोप गलत और आधारहीन है। तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि भाजपा के प्रदेश सचिव विनोज पी सेल्वम ने तमिलनाडु सरकार को हिंदू विरोधी दिखाने की कोशिश की, जो कि बिल्कुल गलत और निंदनीय है। रअसल तमिलनाडु भाजपा ने आरोप लगाया था कि बीती 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार ने राज्य के मंदिरों में कार्यक्रम के लाइव प्रसारण और विशेष पूजा अर्चना पर रोक लगा दी थी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी राज्य सरकार पर ऐसे ही आरोप लगाए थे और कहा था कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम करने के लिए लोगों को धमकाया जा रहा है। उन्होंने सरकार के इस कदम की तीखी आलोचना की थी।

कश्मीर में लंबी नौशेरा सुरंग का उद्घाटन

जम्मू । नौशेरा सुरंग का उद्घाटन रविवार को भारत माता की जय के जयघोष से हुआ। 700 मीटर लंबी यह सुरंग अखनूर और पुंछ को जोड़ती है। सीमा सड़क संगठन ने तय समय से पहले इस सुरंग को पूरा कर लिया है। 200 किलोमीटर लंबा अखनूर-पुंछ गोल्डन आर्क रोड रणनीतिक दृष्टि से भी अहम है। ये दक्षिण कश्मीर और जम्मू क्षेत्र को प्रदेश के पश्चिमी इलाकों से जोड़ता है। यह अखनूर, राजोरी और पुंछ जैसे सीमावर्ती जिलों का आपस में मिलाती है। इस खंड में 4 प्रमुख सुरंगें हैं। सीमा सड़क संगठन के डीजी लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने सफलता समारोह में भाग लिया और इस परियोजना के महत्व को बताया जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने और राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ सुगम परिवहन की सुविधा प्रदान करने में एक बड़ा कदम है। पिछले साल 25 नवंबर 2023 को कंडी सुरंग में सफलता हासिल की गई थी जो राजोरी और पुंछ के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में बीआरओ के प्रयासों को दर्शाता है। इस परियोजना के निर्धारित समय से पहले 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। अपने संबोधन के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने कहा कि बीआरओ जम्मू-पुंछ क्षेत्र में दूरदराज के क्षेत्रों को प्रमुख केंद्रों से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का नेतृत्व कर रहा है। जम्मू-पुंछ लिंक तेजी से आगे बढ़ रहा है। एलओसी पर रक्षा बुनियादी ढांचे के बारे में पूछे जाने पर डीजी बीआर ने उल्लेख किया कि रक्षा बुनियादी ढांचे का विकास एक सतत प्रक्रिया है। सीमा सड़क संगठन आईबी, एलओसी और एलएसी पर रणनीतिक सड़कों के निर्माण और उन्नयन द्वारा बुनियादी ढांचे रक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर कांग्रेस नेता का तंज, पार्टी राजनीतिक पर्यटन कर रही

- नीतिश ने इंडिया गठबंधन का दाह संस्कार कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कटाक्ष कर राजनीतिक पर्यटन कहकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी यात्रा कर रही है, जबकि अन्य पार्टियां 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कुछ बहुत महान और बुद्धिमान नेता हैं। जहां एक ओर सभी दल 2024 चुनाव के लिए कमर कस रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पूरी कांग्रेस पार्टी राजनैतिक टूरिज्म कर रही है। दरअसल, हम यह पता लगाएंगे कि 2024 के बाद 2029 का चुनाव कैसे जीता जाए।

पार्टी आलाकमान पर तंज कसते हुए कृष्णम ने कहा कि ऐसा लगता है कि हम 2029 के चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। अगर हम 2024 की तैयारी कर रहे होते तब ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन अपनी स्थापना के बाद से ही गंभीर बीमारियों से संक्रमित रहा है। फिर यह आईसीयू में चला गया। जिसके बाद इंडिया गठबंधन को वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाकी बचा हुआ रविवार को नीतीश कुमार ने इसका दाह संस्कार कर दिया। अब इंडिया गठबंधन क्या होगा। राहुल गांधी की यात्रा सोमवार को बिहार में प्रवेश कर गई, जिसके एक दिन पहले ही इंडिया ब्लॉक में इसके पूर्व सहयोगी जद (यू) ने विपक्षी दलों से नाता तोड़कर अपने पुराने संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया।

बिहार की राजनीति में विभाजन से पहले, कांग्रेस नेता ने कहा कि नीतीश ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है, और यह उनके फैसलों के कारण है कि इंडिया ब्लॉक, जिस विपक्ष के लिए नई उम्मीद के रूप में देखा जाता था, खतरे में है। उन्होंने कांग्रेस को देशभर में अपने दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव दिया।

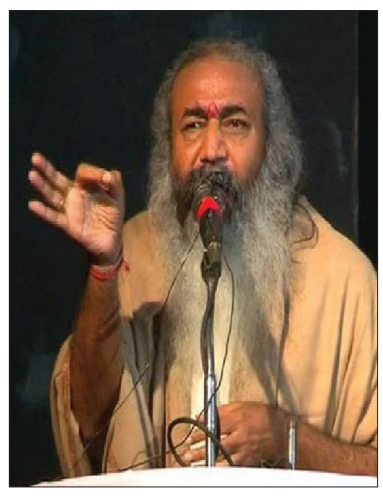

सीएम शिंदे ने प्रतापगढ़ किले के संरक्षण का किया वादा

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रतापगढ़ किले के संरक्षण का वादा किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रतापगढ़ किले के संरक्षण के लिए कोई कमी नहीं रखेगी। बता दें कि सीएम शिंदे रविवार शाम को सतारा जिले की महाबलेश्वर तहसील के पार में दुर्ग रायेश्वर से प्रतापगढ़ किला अभियान के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा और ऊर्जा के साथ काम कर रही है। प्रतापगढ़ किला उनकी वीरता का प्रतीक है। प्रतापगढ़ किले के संरक्षण के लिए 100 करोड़ रुपये की योजना प्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गई है, जिसमें से 13 करोड़ रुपये हाला ही में उपलब्ध कराए गए हैं और सरकार इस किले के संरक्षण के लिए कोई कमी नहीं रखेगी। सीएम शिंदे ने कहा कि चूंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने रायेश्वर में स्वराज्य की शपथ ली थी, इसलिए यह स्थान महत्वपूर्ण हो गया है। यह हमारा भाग्य है कि हम उस भूमि पर पैदा हुए जो छत्रपति शिवाजी महाराज के पवित्र स्पर्श से धन्य हुई है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को गौरवशाली विरासत से अवगत कराने के लिए ऐसे अभियान महत्वपूर्ण हैं और सरकार राज्य के सबसे पुराने मंदिरों के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है। इस अवसर पर सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, विधायक मकरंद पाटिल, महेश लांडगे, नितेश राणे, संभाजी भिड़े एवं अन्य नेतागण व लोग उपस्थित थे।

नीतीश कुमार को जनता सिखाएगी सबक : शरद पवार

-जेडीयू के एनडीए में शामिल होने पर राकांपा ने की तीखी आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार द्वारा विपक्ष के महागठबंधन को छोड़कर एनडीए में शामिल होने पर शरद पवार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने जेडीयू की आलोचना करते हुए कहा कि नीतीश कुमार को जनता सबक सिखाएगी। बता दें कि बिहार की घटना ने सभी विपक्षी दलों को बैकफुट पर ला दिया है। इस पूरे घटनाक्रम से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दिग्गज नेता शरद पवार काफी हैरान हैं। उन्होंने इसके लिए नीतीश कुमार की जमकर आलोचना भी की है। एनसीपी के मुखिया आश्चर्य में हैं कि आखिर नीतीश कुमार का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ, ऐसा क्या हुआ कि आगामी लोकसभा चुनावों में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए इंडिया ब्लॉक को अस्तित्व में लाने वाले नीतीश कुमार ने बीजेपी का ही हाथ थाम लिया। शरद पवार ने बिहार में महागठबंधन को खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि वह बीजेपी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक पर काम कर रहे थे, मुझे नहीं पता कि अचानक क्या हुआ जो वह बीजेपी के साथ चले गए, लेकिन भविष्य में जनता उन्हें उनकी भूमिका के लिए सबक जरूर सिखाएगी।

मीडिया से बातचीत में शरद पवार ने कहा कि इतने कम समय में पटना में जो कुछ भी हुआ, ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं दिखी है। मुझे याद है कि यह नीतीश कुमार ही थे जिन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए महागठबंधन की पहल की थी और सभी गैर-भाजपा दलों को पटना बुलाया था, लेकिन पिछले 10-15 दिनों में ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस विचारधारा को छोड़ दिया और बीजेपी में शामिल होकर सरकार बना ली। उधर नीतीश कुमार के बीजेपी के साथ जाने पर इंडिया ब्लॉक में शामिल दूसरे दलों के नेता ने बिहार के सीएम पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पीएम मोदी और भाजपा राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से डरे हुए थे, जो बिहार में प्रवेश करने वाली है।

रमेश ने कहा कि बिहार के लोग विश्वासघात के एक्सपर्ट और उन्हें अपने इशारों पर नचाने वालों को माफ नहीं करेंगे। इसी तरह की प्रतिक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देते हुए कहा कि वे जानते थे कि नीतीश कुमार दल बदल सकते हैं। देश में आया राम, गया राम जैसे कई लोग हैं। वहीं टीएमसी ने कहा कि, यह कोई नई बात नहीं है। नीतीश कुमार राजनीतिक कलाबाजियों के लिए ही जाने जाते हैं। जनता इस तरह के अवसरवादी नेताओं को जवाब देगी। जबकि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा बीजेपी कभी इतनी कमजोर नहीं हुई जितनी आज हो गई है। अखिलेश ने कहा कि आज विश्वासघात का एक नया रिकॉर्ड बन गया है।

नियमों में छूट देकर उपराज्यपाल ने दी अनुकंपा नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली । दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उम्र और शारीरिक मानकों के निर्धारित मानदंड में छूट देते हुए पुलिस में अनुकंपा को मंजूरी दी है। जानकारी के अनुसार दो व्यक्तियों की नियुक्ति को एलजी ने मंजूरी दी है। उन्होंने दिल्ली पुलिस को महिपाल और लव चौधरी को कांस्टेबल (कार्यकारी) के पद पर नियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया है। बता दें कि हेड कांस्टेबल के लिए सीने का माप 2.0 सेमी और कांस्टेबल (कार्यकारी) के लिए आवश्यक 5.2 सेमी कम होने के कारण महिपाल की नियुक्ति पर विचार नहीं किया गया था। वहीं, लव चौधरी की आयु कांस्टेबल (कार्यकारी) और कांस्टेबल (ड्राइवर) पद के लिए 29 वर्ष और 30 वर्ष की आयु के मुकाबले 30 वर्ष 8 महीने थी। दोनों ही मामलों में उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस (नियुक्ति और भर्ती) नियम, 1980 के नियम 30 के तहत सीने का माप और उम्र के निर्धारित मानदंड में ढील देने के प्रावधान का उपयोग किया। एलजी ने सेवा के दौरान दिवंगत हुए पुलिसकर्मियों के आश्रितों को नियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि महिपाल के पिता कांस्टेबल मुकना राम की मौत 22 दिसंबर 2000 को हो गई थी। वहीं, चौधरी के पिता की मृत्यु चार सितंबर 2022 को सेवा में रहते हुई थी।

शीतलहर की चपेट में पूरा उत्तर भारत, कई इलाकों में बारिश के आसार

-घने कोहरे से दृश्यता हुई बेहद कम, पूर्वोत्तर में बर्फीली हवाओं का कहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय पूरा उत्तर भारत शीत लहर की चपेट में है। पूर्वोत्तर में तो बर्फीली हवालों ने कहर ढा रखा है। जबकि घने कोहरे से सामने की चीजें भी नहीं दिखाई दे रही हैं। भारतीय मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को पंजाब से लेकर बिहार और हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, ओडिशा, उत्तरी मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर के असम, नगालैंड और मणिपुर में घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में बर्फीली ठंड भी महसूस की गई। हालांकि दो दिन चअख धूप निकली थी, इसके बाद फिर घना कोहरा छाने से उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में बर्फीली ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। रविवार को हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा छाया रहा। खराब मौसम और घने कोहरे के चलते ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ा और उड़ानों में भी देरी हुई।

मौसम विभाग का कहना है कि अभी कम से कम दो से तीन दिन घना कोहरा और भीषण ठंड की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि तीन फरवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में अलग-अलग जगहों पर वर्षा की भी संभावना है। उत्तर भारत में 6-9 डिग्री सेल्सियस के बीच न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया जो सामान्य से 3-6 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। चंडीगढ़ में सुबह न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रहा। तमिलनाडु के ऊटी में पारा 1.3 डिग्री दर्ज किया गया है। तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में हिल स्टेशन ऊटी में कश्मीर जैसे हालात देखने को मिले हैं और न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क कर आ गया है। यहां पर कड़ाके की ठंड से जनजीवन पर असर पड़ा है।

कांग्रेस में महिलाएं सुरक्षित नहीं, वे मेरे ब्लाउज पर कमल के निशाना पर बात करते : बिस्मिता

-असम में 150 से ज्यादा नेताओं ने भाजपा ज्वाइन की

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में कांग्रेस का साथ छोड़ने वालीं पूर्व विधायक बिस्मिता गोगाई ने बिना नाम लिए पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूर्व महिला विधायक कहना है कि पार्टी के नेता उनके ब्लाउज पर कमल के बारे में बात करते थे। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी में महिलाओं के लिए सम्मान नहीं है। कांग्रेस और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसु) के 150 से ज्यादा नेता रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो चुके हैं।

बिस्मिता गोगोई ने बताया है कि कैसे ब्लाउज से जुड़ी घटना ने उन्हें प्रभावित किया था। साथ ही उन्होंने बताया कि इसके बारे में कांग्रेस नेता तक बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने कभी भी नहीं सोचा था कि ब्लाउज पर कमल है या नहीं। मैंने कमल की डिजाइन वाला ब्लाउज पहना था, जो सामान्य बात है।

उन्होंने कहा, मुझे यहां सार्वजनिक रूप से ब्लाउज के बारे में बात करने तक में परेशानी हो रही है। यह घटना भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई थी, जो खुमतई में प्रदेश स्तर पर निकाली गई थी। यात्रा के दौरान मैंने वे ड्रेस पहनी थी। उन्हें लगा कि यह संकेत है कि मैं भाजपा में जाने की योजना बना रही हूं। यहां तक

कि शीर्ष नेतृत्व भी इस मुद्दे पर राजीव भवन में बात कर रहा था।

उन्होंने बताया कि घटना से उन्हें गहरा धक्का लगा था और रोना आया था। उन्होंने कहा, यह महिलाओं के लिए अपमान की बात है। मुझे उस घटना से दुख पहुंचा था। मेरा सम्मान उस दिन ही खत्म हो गया था। अगर पार्टी में महिला विरोधी बातें होती रहेंगी, हर कदम पर मेरा मानसिक शोषण किया गया। वे मुझे काम में शामिल नहीं करना चाहते थे। मुझे कई बड़े चर्चाओं से दूर रखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिस्मिता ने आरोप लगाए हैं कि कांग्रेस में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस इतना नीचे गिर चुकी है कि वे मेरे ब्लाउज के बारे में बात करते हैं। वे कहते हैं कि मेरे ब्लाउज पर कमल है और इसलिए मैं भाजपा में शामिल हो रही हूं। मुझे दुख है कि वे महिलाओं का सम्मान नहीं करते। मुझे दुख है कि वे महिलाओं का सम्मान नहीं करते। मैं नाम नहीं ले सकती, लेकिन मुझे कहा गया है कि कांग्रेस के एक नेता ने कहा है, जिसे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा में शामिल होने वालों में असम यूथ कांग्रेस असम की पूर्व अध्यक्ष अंकिता दत्ता का नाम भी है। वह भी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीबी श्रीनिवास पर उत्पीड़न के आरोप लगा चुकी हैं।

ज्ञानवापी मामला: एएसआई रिपोर्ट आने के बाद फिर सुप्रीम कोर्ट जा सकता है हिन्दू पक्ष

- अब वजूखाना के भी सर्वे की मांग कर सकता है हिंदू पक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानवापी मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट आने के बाद हिन्दू पक्ष अब एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट जा सकता है। बताया जा रहा है कि एएसआई की रिपोर्ट के बाद भी कुछ ऐसे मसले हैं, जिनसे कुछ खुलासा होना बाकी है। हिन्दू पक्ष की ओर से इस संबंध में आज सोमवार को याचिका दाखिल करने की तैयारी है। हिन्दू पक्ष का कहना है कि ज्ञानवापी मस्जिद में पूर्वी दीवार को चिनाई करवाकर बंद कर दिया गया था। अदालत के आदेश के मुताबिक अब तक बिना कोई खुदाई किए सर्वे किया गया है। लिहाजा ये नहीं पता चला है कि बंद दीवार के पीछे क्या है। हिन्दू पक्ष की दलील है कि ज्ञानवापी के वजूखाना में शिवलिंगनुमा आकृति को लेकर भी अब तक वास्तविकता सामने नहीं आ सकी है। इसका अब तक सर्वे नहीं हुआ है। अब हिंदू पक्ष एएसआई रिपोर्ट का हवाला देकर वजूखाना के भी सर्वे की मांग कर सकता है। दरअसल, ज्ञानवापी परिसर की एएसआई की सर्वे रिपोर्ट बुधवार को मुकदमे के पक्षकारों ने सार्वजनिक कर दी। सर्वे के दौरान 32 जगह मंदिर से संबंधित प्रमाण मिले हैं। पक्षकारों ने जो सर्वे रिपोर्ट दी है, वह 839 पेज की है। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट हिंदू और मुस्लिम पक्षकारों को देने का आदेश दिया था। इसकी कॉपी पक्षकारों को गुरुवार को कोर्ट से मिली है। इसके बाद हिंदू पक्ष की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने मीडिया से बातचीत की और कहा कि सर्वे से साबित हो गया कि ज्ञानवापी बड़ा हिंदू मंदिर था। उसे तोड़कर मस्जिद का रूप दिया गया। अब सील वजूखाने के सर्वे का अनुरोध किया जाएगा। गौरतलब है कि 18 दिसंबर को एएसआई ने कोर्ट में सील बंद लिफाफे में स्टडी रिपोर्ट सौंपी थी। इसी दिन हिंदू पक्ष ने कोर्ट से सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की थी लेकिन मुस्लिम पक्ष ने इस पर आपत्ति जताई थी। हालांकि, बाद में मुस्लिम पक्ष ने भी कोर्ट से कॉपी सौंपने की मांग की जिस पर 3 जनवरी को सुनवाई होनी थी। हालांकि उस दिन सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद 5 जनवरी को कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन कोई फैसला नहीं आया। इसके बाद 24 जनवरी की सुनवाई में कोर्ट ने सर्वे रिपोर्ट की हार्ड कॉपी दोनों पक्षों को देने को लेकर फैसला सुनाया।

नीतीश के पाला बदलने से इंडिया गठबंधन हुआ कमजोर, मोदी की ताकत बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति के जानकार बता रहे हैं कि नीतीश कुमार के पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने से जहां इंडिया गठबंधन कमजोर हुआ है, वहीं पीएम मोदी की ताकत बढ़ गई है। बता दें कि उनके इस कदम से 2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के खिलाफ़ बन रहे इंडियन नेशनल डिवेलपमेंट इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) को तगड़ा झटका लगा है। सीएम और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेताओं के मुताबिक़ इंडिया गठबंधन के सूत्रधान नीतीश कुमार ही थे। यह इसलिए भी महत्वूर्ण था कि उन्होंने दिल्ली और पश्चिम बंगाल में अपने समकक्ष अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाक़ात कर उन्हें कांग्रेस के साथ इस गठबंधन में शामिल किया। नीतीश कुमार का यह क़दम उस दिन सामने आया, जब एक दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बंगाल से लगे किशनगंज के रास्ते बिहार में प्रवेश कर रही है।

बीजेपी के रणनीतिकारों ने एनडीए को और अधिक फ़ायदा पहुंचाने के लिए यह दिन तय किया। इससे उसे कई राज्यों में सीट बँटवारे में फँसे इंडिया गठबंधन पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी। बीजेपी का अनुमान है कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरी बार सत्ता में लौटने के लिए उत्तर भारत में उनके लिए जबरदस्त माहौल तैयार किया है। गौरतलब है कि बीजेपी ने अभी हाल ही में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का विधानसभा चुनाव जीता है। इससे हिंदी भाषी राज्यों में उसकी ताक़त बढ़ी है।

नीतीश कुमार के अगस्त 2022 में महागठबंधन में शामिल हो जाने से बीजेपी बिहार में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही थी। हालांकि विधानसभा की 79 सीटों के साथ राष्ट्रीय जनता दल बिहार की सबसे बड़ी पार्टी है। इसके नेता लालू प्रसाद यादव सामाजिक न्याय की लड़ाई के सबसे बड़े योद्धा और हिंदुत्व विरोधी राजनीति के प्रतीक हैं। बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से 39 पर जीत दर्ज की थी। लेकिन नीतीश कुमार के महागठबंधन में रहते हुए यह संभव नहीं था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनरलिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष गणेशभाई सावंत चंद्रकांतभाई देवरे दीपकभाई शर्मा सुरेशभाई मौर्या संजयभाई सिंह राजूभाई नाई और शांत मोदी ने रात ११:०० बजे चिखली और नवसारी में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया।

सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित

सूरत में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी तभी नियमों का पालन होगा:पुलिस आयुक्त

सख्त कार्रवाई होने पर ही यातायात नियमों का पालन होगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में सूरत सिटी रोड सेफ्टी काउंसिल की बैठक हुई। इस बैठक में पुलिस आयुक्त ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए सघन कार्यक्रम चलाने पर विस्तार से चर्चा की। शहर में यातायात की समस्या को कम करने के लिए वाहनों को 'नो पार्किंग' क्षेत्र में नहीं बल्कि सही जगह पर पार्क करने के लिए सघन कार्रवाई करने और अंधाधुंध पार्किंग करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

आज पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में सड़क सुरक्षा परामर्श की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संयुक्तपुलिस आयुक्त यातायात, पुलिस उपायुक्त यातायात, आरटीओ अधिकारी, नगर निगम के कार्यकारी अभियंता, यातायात शाखा के अधिकारी और परिषद के अन्य सदस्य सहित अधिकारी उपस्थित थे।

इस बीच, सूरत पुलिस कमिश्नर ने इस बैठक में शहर में आवारा जानवरों की समस्या पर चर्चा की और इस संबंध में नगर निगम द्वारा किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। नगर पालिका ने जनवरी माह में ६५० आवारा मवेशी पकड़े थे। जिनमें से ४०४ मवेशियों को पिंजरे में भेजा गया और ५.६८ लाख रुपये का जुर्माना लगाने की बात कही गई।

इसके अलावा वर्ष २०२३ के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ९८५ वाहन चालकों का लाइसेंस निरस्तीकरण आरटीओ कार्यालय द्वारा किया गया। इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तभी नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि अभियान को और अधिक सघन बनाया जाए।

इसके अलावा नर्मद यूनी और एसवीएनआईटी द्वारा संयुक्त रूप से ट्रैफिक सिग्नल अपडेट करने, ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले, ब्लैक स्पॉट पर १०८ आपातकालीन सेवा और ट्रैफिक रेगुलेशन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए कार्यों पर प्रेजेंटेशन दिया गया, उस पर भी चर्चा की गई।

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के शिक्षिका ने प्रिंसिपल पर गाली-गलौज करने का आरोप लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कुछ दिन पहले सूरत नगर निगम द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के एक स्कूल में एक शिक्षिका ने कहा की आचार्य द्वारा उसकी झूठी शिकायत की है। उससे ज्यादा काम कराया जा रहा है यह कहकर स्कूल में हंगामा करने पर स्कूल में पुलिस बुलानी पडी थी। प्रिंसिपल ऑफिस में जमकर बहस हुई। इसके अलावा पुलिस ने दोनों को थाने ले जाने की बात कहकर हंगामा कर दिया। हालाँकि, इससे पहले भी इस शिक्षिका द्वारा द्वारा उग्र वर्तन की कई शिकायतें आई थीं। इस वीडियो के साथ में शिकायत मिलने के बाद शिक्षा समिति ने पूरे मामले की जांच करने और इस तरह के व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई करने की कवायद की है।

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के भेस्तान इलाके के एक स्कूल का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भेस्तान के एक स्कूल में जब एक शिक्षिका का तबादला हुआ तो उन्होंने यह कहकर हंगामा खड़ा कर दिया कि प्रिंसिपल उनसे ज्यादा काम ले रहे हैं और झूठी शिकायतें की जा रही हैं। एक ओर जहां छात्र पढ़ रहे थे, वहीं यह शिक्षिका हंगामा कर रही थी। वह हाथ में चप्पल लेकर पुलिस की मौजूदगी में प्रिंसिपल को पीटने पहुंच गयी। इसके अलावा वह अन्य शिक्षकों से भी दुर्व्यवहार करती थी। पुलिस की मौजूदगी में गाली गलोच और मारा मारी के दृश्य सामने आए।

इस संबंध में वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा समिति ने जांच की तो पता चला कि शिक्षिका का अन्य स्कूलों में भी हिंसक व्यवहार था। इसके अलावा पूरे मामले में शिक्षा समिति की छवि पर भी आंच आ रही है। इसके चलते शिक्षा समिति से जांच करायी गयी है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक संभावना है कि आने वाले दिनों में इस स्कूल में गाली गलोच और हंगामा करने वाली शिक्षिका पर दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी.

१२वीं की छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला युवक स्कूल के बाहर पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

छात्रा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई

छात्रा की छोडखानी करनेवाला युवक गिरफ्तार

सूरत में सरेआम छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। वराछा इलाके में १२वीं की छात्रा से स्कूल के बाहर छेड़छाड़ हुई थी। छात्रा ने स्थानीय लोगों और परिजनों, शिक्षकों को जानकारी दी तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। इसलिए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

वराछा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा के साथ चिराग खूंट काफी समय से छेडखानी कर रहा था। छात्रा ने कुछ दिनों तक इसकी जानकारी किसी को नहीं दी। हालांकि जब छात्रा स्कूल जा रही थी तो युवक ने स्कूल के पास जेडी रेस्टोरेंट के सामने सीटी बजाई थी। युवक ने छात्रा का हाथ पकड़ लिया और गंदा इशारा किया। छात्रा ने आसपास खड़े लोगों और घर के परिजनों को जानकारी दी। छात्रा ने स्कूल टीचर को भी बताया तो शिक्षकों ने पुलिस को सूचना दी। इसलिए वराछा पुलिस ने २६ वर्षीय चिराग खूंट को छेड़छाड़ के अपराध के तहत गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।

नगर निगम का ८७१८ करोड का कर मुक्त ड्राफ्ट बजट, शहर के विकास के लिए ४१२१ करोड का प्रावधान

तापी रिवरफ्रंट पर जल परिवहन की योजना, ४५० नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी

नगर निगम आयुक्तशालिनी अग्रवाल अधिकारीयों की उपस्थिति में बजट पेश करते हुए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के वर्ष २०२४-२५ के ड्राफ्ट बजट को नगर निगम कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने शासकों के समक्ष मंजुरी के लिए पेश किया। स्वच्छता में नंबर १ शहर बनने के बाद अब नगर निगम ने सूरत शहर के विकास के लिए और पैसे खर्च करने का फैसला किया है।

सूरत नगर आयुक्त ने वर्ष २०२४-२५ के लिए ८७१८ करोड़ का ड्राफ्ट बजट पेश किया है। पिछले साल ७८४८ करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ था। इसकी तुलना में इस साल बजट का आकार ८७० करोड़ रुपये बढ़ गया है.सूरत शहर के विकास कार्यों के लिए मनपा ने ४१२१ करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आयुक्त ने घोषणा की कि इस साल पहली बार सूरत नगर निगम का राजस्व ५००० करोड़ को पार कर जाएगा। अनुमान के मुताबिक राजस्व आय ५०२५ करोड़ जबकि राजस्व व्यय ४५९७ करोड़ तक पहुंचेगा। हालांकि २०२४ लोकसभा चुनाव का वर्ष है इसलिए राहत की बात यह है कि शहरी निवासियों पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ाया गया है।

कराड़वा-डिंडोली नहर पर फ्लाईओवर ब्रिज बनाया जाएगा

सूरत नगर पालिका के २०२४-२५ के ड्राफ्ट बजट में सार्वजनिक परिवहन सुविधा के लिए २७ करोड़ के खर्च का अनुमान लगाया गया है। पुल के लिए ३ करोड़ के आवंटन का अनुमान है। इसके अलावा, मधुरम सर्कल के पास नए फ्लाईओवर ब्रिज के लिए डिंडोली खरवासा रोड को पार करने वाले कराडवा-डिंडोली रोड पर नहर के समानांतर डिंडोली मध्य रिंग रोड की कनेक्टिविटी के लिए रु १.३० करोड़ रुपये उपलब्ध कराये गये हैं। गोठान में डीएफसीसी रेलवे लाइन पर रेलवे अंडर ब्रिज ७ बी के लिए १.७० करोड़ का प्रावधान किया गया है।

सूरत इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स प्लान २०४७ प्रस्तुत

सूरत देश के सबसे अच्छे कनेक्टेड शहरों में से एक बनकर उभर रहा है। सूरत रोड कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, पोर्ट कनेक्टिविटी और एयर कनेक्टिविटी के मामले में विकसित हो रहा है। एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे, बुलेट ट्रेन, मेट्रो, डीएफसीसी सुविधाएं बनाई जा रही हैं। सूरत को देश का लॉजिस्टिक ग्रोथ हब बनाने की योजना है।

तापी रिवरफ्रंट पर जल परिवहन की योजना

सूरत मनपा ने सूरत इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स प्लान २०४७ प्रस्तुत किया। अगले ३० वर्षों के लिए शहर के वाहन परिवहन के लिए एक व्यापक गतिशीलता योजना की योजना बनाई गई है। तापी रिवरफ्रंट को ध्यान में रखते हुए जल परिवहन को एकीकृत करने की योजना है। वॉटर मेट्रो के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने की योजना। जल मेट्रो और जल परिवहन को एकीकृत करके अंतिम मील कनेक्टिविटी के तहत एक नए साइकिल डॉकिंग स्टेशन के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने की योजना बनाई गई है।

डुमस सी फेस प्रोजेक्ट के लिए करोड़ों का प्रावधान

डुमास सी फेस प्रोजेक्ट के लिए पैकेज १ के तहत ड्राफ्ट बजट में १०० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. जोन १ के पैकेज २ के लिए ६७ करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है. जबकि जोन दो के लिए वन विभाग के साथ ७० करोड़ का प्रोजेक्ट बनाया गया है. तापी नदी पर बैराज परियोजना के लिए १२७ करोड़ रुपये की योजना, तापी नदी का लगभग १० किमी. इस वर्ष क्षेत्र में १०० करोड़ की लागत से बाढ़ नियंत्रण संरचना (सुरक्षा कार्य) की योजना है. रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट के तहत ५० करोड़ का प्रावधान है.

तापी शुद्धिकरण के लिए १६५ करोड़, नए प्रशासनिक भवन के लिए २४५ करोड़ का प्रावधान

तापी शुध्दिकरण के तहत कार्यरत स्ट्रोमलाईन को रोकने और मोड़ने के लिए २५ करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है, तापी शुद्धिकरण परियोजना के लिए १६५ करोड़ रुपये रखे गए हैं। सूरत नगर पालिका के प्रतिष्ठित नए मुख्य प्रशासनिक भवन के लिए २४५ करोड़ रुपये रखे गए हैं। आउटर रिंग रोड चरण २ के लिए १०.५० किमी. ४३१ करोड़ की सड़क कार्य की योजना है। चरण १ के अंतर्गत १७.८३ कि.मी. १५ कि.मी. सड़क सड़क का काम पूरा हो चुका है. इसके अलावा ८७ हेक्टेयर में बायो डायवर्सिटी पार्क के लिए ३० करोड़ का प्रावधान किया गया है.

४५० नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी

वर्ष २०२४-२५ में ४५० नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की योजना है। अडाजण पाल में मौजूदा बीआरटीएस बस डिपो को अनुमानित लागत पर इलेक्ट्रिक बस डिपो में बदलने की योजना है। प्रायोगिक आधार पर फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र की योजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन आयोजित किया जाएगा। कार्बन क्रेडिट अर्जित करने के लिए सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों के लिए परिचालन योजना।

१० मेगावाट (एसी) क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र और ६.३ मेगावाट क्षमता के पवन ऊर्जा संयंत्र के लिए ११८ करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं।

महत्वपूर्ण बजट घोषणा

सूरत नगर निगम के इतिहास का सबसे बड़ा विकास बजट

पहली बार ८ हजार करोड़ से ज्यादा का ड्राफ्ट बजट पेश

भारत सरकार के बजट २०२३-२४ में सप्तऋषि परिप्रेक्ष्य को शामिल किया गया

**सूरतवासियों पर कोई टैक्स नहीं लगाया गया

**राजस्व आय ५०२५ करोड़ और राजस्व व्यय ४५९७ करोड़

**शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पुल निर्माण हेतु १६५ करोड़ का प्रावधान

**कतारगाम जोन में एक नया ऑडिटोरियम बनाया जाएगा

पूंजीगत बजट का १० प्रतिशत स्थिरता के लिए विशिष्ट योजना के लिए निर्धारित किया गया

**४६१३ करोड़ की अनुमानित कुल लागत पर चरणों में नए क्षेत्रों के विकास के लिए ढांचागत सुविधाएं प्रदान करने की योजना

आत्मनिर्भरता प्रयास के रूप में राजस्व आय में पिछले वर्ष की तुलना में ३६६ करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ ५०२५ करोड़ रुपये लक्ष्य

**शासकीय,अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्थाओं को भूमि आवंटन के संबंध में २०२३-२४ में १८६ करोड़ राजस्व

नये क्षेत्रों के लिए एकीकृत शिक्षा विकास योजना तैयार करना शिक्षा की सुविधा के लिए ७८ करोड़ की योजना है। नगर पालिका नए क्षेत्रों में शिक्षा के लिए एकीकृत शिक्षा विकास योजना बनाने की योजना बना रही है। नए क्षेत्रों में सभी १०१ आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत विकास योजना की योजना बनाई गई है। आंगनवाड़ी, सिविक सेंटर, पे एंड यूज शौचालय, जोन प्रशासन भवन, पशु शेड, फायर स्टेशन आदि के लिए ५० करोड़ की अनुमानित लागत में से अनुमानित ७ करोड़ आवंटित किये जायेंगे। झील विकास एवं ग्रामीण विकास के लिए १७ करोड़ के व्यय में से १.७० करोड़ आवंटित किये जायेंगे. नये क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से ५ टी.पी. योजनाओं की योजना बनेगी। नए शामिल क्षेत्रों के लिए २५ करोड़ की लागत से एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र, ५० बिस्तरों वाली अस्पताल सुविधा की योजना बनाई गई है। पहली बार ग्रीन म्युनिसिपल बांड का कार्यान्वयन ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम लागू किया जाएगा